राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण सोमवार 29 मई 2023 वर्ष–6,अंक–124 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

देश को मिला नया संसद भवन, पीएम मोदी ने किया सेंगोल को साष्टांग प्रणाम; श्रमिकों का भी सम्मान

● प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई संसद भवन को देश को समर्पित कर दिया है। इस मौके पर उन्होंने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ सेंगोल को भी संसद भवन में स्थापित किया।

नई दिल्ली। हवन-पूजा के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने नए संसद भवन को देश को समर्पित कर दिया है। इस मौके पर पीएम मोदी ने तमिलनाडु के अधीनम द्वारा सौंपा गया सेंगोल भी नए संसद भवन में स्थापित किया। उन्होंने इस सेंगोल को साष्टांग प्रणाम किया और वहां मौजूद साधुओं का आशीर्वाद लिया। उद्घाटन के समारोह के दौरान लगभग एक घंटे पूजा चली और पूरा भवन वैदिक मंत्रोच्चार से गूंज उठा। इस मौके पर पीएम मोदी के साथ लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला मौजूद था। उद्घाटन के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन श्रमिकों का सम्मान किया जिन्होंने इस नई इमारत को बनाने में अपना योगदान दिया।

बता दें कि नए संसद भवन के उद्घाटन के मौके पर तमिलनाडु से 22 संत दिल्ली पहुंचे हैं। नए संसद भवन का निर्माण 862 करोड़ रुपये की लागत से करवाया गया है। इसे सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट के तहत बनवाया गया है। इस संसद भवन में लोकसभा और राज्यसभा के अलावा एक संयुक्त सत्र के लिए भी बड़ा हॉल बनवाया गया है जिसमें 1272 सीटें हैं। अब नए संसद भवन में कामकाज शुरू हो जाएगा। वहीं पुराने संसद भवन का इस्तेमाल संसदीय कार्यक्रमों के लिए किया जाएगा।

अलग-अलग धर्मों की प्रार्थना

उद्घाटन के मौके पर सबसे पहले पीएम मोदी और लोकसभा स्पीकर पुराने संसद भवन परिसर में मौजूद महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित

किए। इसके बाद हवन पूजा की गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सेंगोल का साष्टांग प्रणाम किया और इसे संसद भवन में स्थापित किया। इस मौके पर अलग-अलग धर्मों की प्रार्थना की गई। पुजारी, मौलवी और पादरी ने अपने-अपने धर्म के अनुसार प्रार्थना की।

विपक्षी पार्टियों ने किया बहिष्कार

नए संसद भवन के उद्घाटन के मौके पर विपक्षी दलों ने इस कार्यक्रम का बहिष्कार किया। इस मौके पर 18 दल सरकार के साथ थे वहीं 29 दलों ने समारोह का बहिष्कार करने का फैसला किया था। उनका कहना था कि इस इमारत का उद्घाटन राष्ट्रपति को करना चाहिए। हालांकि इस कार्यक्रम में राष्ट्रपति की मौजूदगी नहीं थी।

द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान सावरकर ने मुस्लिमों की साजिश को कर दिया था फेल

नई दिल्ली। भारतीय स्वाधीनता संग्राम के सेनानी रहे विनायक दामोदर सावरकर की आज जयंती है। आज ही के दिन यानी 28 मई, 1883 को महाराष्ट्र के नासिक जिले के भगूर गांव में उनका जन्म हुआ था। उनके नाम पर कई विवाद हैं लेकिन यह सर्वविदित है कि वह हिन्दुत्व के बड़े आईकॉन थे। वीर सावरकर ने 1857 के विद्रोह की तर्ज पर स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए गुरिल्ला युद्ध की कल्पना की थी। उन्होंने द हिस्ट्री ऑफ़ द वार ऑफ़ इंडियन इंडिपेंडेंस नामक पुस्तक लिखी, जिसमें उन्होंने लिखा है कि बहुत सारे भारतीयों को स्वतंत्रता के लिए अंग्रेजों के खिलाफ लड़ने के लिए प्रेरित किया। हालाँकि इस पुस्तक पर अंग्रेजों द्वारा प्रतिबंध लगा दिया गया था, लेकिन इसने कई देशों में लोकप्रियता हासिल की। इतना ही नहीं, उन्होंने मैनुअल बम और गुरिल्ला युद्ध भी बनाए थे और उसे दोस्तों में बांट दिए थे। सावरकर ने अपने दोस्त मदन लाल ढींगरा का कानूनी बचाव भी किया था, जो सर विलियम हट कर्जन वाइली नाम के एक ब्रिटिश भारतीय सेना अधिकारी की हत्या के मामले में आरोपी थे। जब वीर सावरकर के बड़े भाई ने %भारतीय परिषद अधिनियम 1909% के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया था, जिसे मिंटो-मॉर्ले रिफॉर्म के नाम से भी जाना जाता है। तब, ब्रिटिश पुलिस ने दावा किया था कि वीर सावरकर ने ही उस अपराध की साजिश रची थी और उनके खिलाफ वारंट जारी किया था। हालांकि, ब्रिटिश हुकूमत की खिलाफत करने वाले सावरकर ने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान बड़े पैमाने पर हिन्दू युवाओं से ब्रिटिश फौज में भर्ती होने का आह्वान किया था। दरअसल, वह एक स्व-घोषित नास्तिक थे, लेकिन हमेशा एक हिंदू होने पर गर्व किया करते थे। वह हिन्दुत्व को एक राजनीतिक और सांस्कृतिक पहचान के रूप में देखते थे। 6 जनवरी, 1924 को जेल से रिहा होने के बाद उन्होंने रत्नागिरी हिंदू सभा के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

बीएसएफ ने अमृतसर सीमा के पास पाक ड्रोन मार गिराया, एक तस्कर गिरफ्तार

जालंधर। पंजाब के अमृतसर में अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर तैनात सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने नशीले पदार्थों की तस्करी की पाकिस्तान की एक और नापाक कोशिश को नाकाम करते हुए ड्रोन को मार गिराया तथा मादक पदार्थों के खेप लेकर भागे तस्कर को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

बीएसएफ के जनसंपर्क अधिकारी ने रविवार को बताया कि शनिवार रात को लगभग नौ बजकर 35 मिनट पर क्षेत्र में तैनात बीएसएफ के जवानों ने अमृतसर के गांव धनोए खुर्द के पास एक संदिग्ध ड्रोन की आवाज सुनी। उन्होंने बताया कि सैनिकों ने तुरंत गोलीबारी कर ड्रोन को

मार गिराया । क्षेत्र की तलाशी के दौरान बीएसएफ के जवानों ने धनोए खुर्द के खेत से एक ड्रोन (क्वाडकॉप्टर, डीजेआई मैट्रिस आरटीके 300) बरामद किया।

इस बीच ग्राम धनोए खुर्द के पास तैनात सैनिकों ने तीन संदिग्ध लोगों को गाँव की ओर भागते हुए देखा, उन्हें चुनौती दी और तीन पैकेट (कुल वजन लगभग 3.4 किलो) के संदिग्ध नशीले पदार्थों की खेप वाले बैग के साथ एक संदिग्ध को पकड़ लिया। नशीले पदार्थों की खेप वाले बैग में लोहे का हुक और चार चमकदार पट्टियां लगी हुई थी।

पूनियां ने ऑस्ट्रेलिया में प्रवासी भारतीयों के साथ किया संवाद

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में उपनेता प्रतिपक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने ऑस्ट्रेलिया में प्रवासी भारतीयों के साथ संवाद किया। तीन दिवसीय अपने आस्ट्रेलिया प्रवास पर डा पूनियां ने इस दौरान कहा कि दुनिया के हर हिस्से में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारतवंशियों का गौरव बढ़ाते हैं, जब हम विदेशों में रहने वाले भारतीयों से बात करते हैं तो वह कहते हैं कि मोदीजी के आने से ना केवल पूरी दुनिया में भारत की साख बढ़ी है बल्कि भारत के वीजा की साख भी बढ़ी है। उन्होंने कहा कि श्री मोदी पूरी दुनिया में रहने वाले भारतीयों के सुख दुख

में हमेशा उनके साथ पूरी मजबूती के साथ खड़े रहते हैं और हाल में श्री मोदी के ऑस्ट्रेलिया दौरे से भारत और ऑस्ट्रेलिया के संबंधों में नई मजबूती आई है। इससे भारत और राजस्थान के विकास में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि श्री मोदी के कुशल नेतृत्व की ताकत है कि रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान यूक्रेन में फंसे हजारों बच्चों को सकुशल भारत वापस लाया गया, जिसमें राजस्थान के स्टूडेंट्स भी सकुशल अपने घर पहुंचे। उन्होंने कहा कि राजस्थान में कृषि, पशुपालन, डेयरी, चिकित्सा, पर्यटन, खनिज, मोटा अनाज आदि अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान के बारे में तो कहा जाता है कि जीवन जहां उत्सव है वह राजस्थान है।

डा पूनियां ने कहा कि मोटा अनाज बाजरा का सर्वाधिक उत्पादन राजस्थान में होता है, जिससे तमाम उत्पाद बनने लगे हैं और मोटा अनाज को केंद्र की मोदी सरकार प्रोत्साहित कर रही है जिससे राजस्थान के किसानों को और अधिक संबल मिलेगा। इस दौरान कई सांसद, पूर्व सांसद , विधायक, पूर्व विधायक, उद्योगपति सहित प्रवासी भारतीय लोग मौजूद थे।

'नए संसद भवन की तुलना ताबूत से करने वालों पर देशद्रोह का मामला दर्ज'

पटना: नए संसद भवन के उद्घाटन के दौरान भी राजनीति जारी है। राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) की ओर से ट्विटर पर एक विवादित फोटो पोस्ट करने से सियासी पारा फिर बढ़ गया है। आरजेडी की ओर से ताबूत के साथ नए संसद भवन की तस्वीर शेयर करते हुए लिखा गया है-ये क्या है? आरजेडी की ओर से यह ट्वीट ऐसे समय में किया गया, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संसद के नए भवन के उद्घाटन समारोह में शामिल हो रहे है।

आरजेडी समेत 21 पार्टियों का उद्घाटन समारोह का बहिष्कार

नए संसद भवन का उद्घाटन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से कराए जाने की मांग को लेकर देश की 21 विपक्षी पार्टियों ने समारोह के बहिष्कार का फैसला लिया है। इस कार्यक्रम का बिहार में सत्तारूढ़ जेडीयू के साथ आरजेडी ने भी बहिष्कार किया है। नए संसद भवन को लेकर शनिवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कल तंज कसा था और समारोह में शामिल होने के कारण के बारे में जानकारी दी थी। वहीं आज आरजेडी की ओर से नए संसद भवन पर तंज कसा है।

बीजेपी ने आरजेडी के ट्वीट को दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया

बीजेपी के वरिष्ठ नेता सुशील कुमार मोदी ने कहा कि नया संसद भवन जनता के पैसे से बना है। आज भले ही आरजेडी ने बहिष्कार किया है, लेकिन कल सदन की कार्यवाही तो वहीं चलने वाली है। क्या आरजेडी ने यह तय कर लिया है कि उनके सदस्य स्थायी रूप से बहिष्कार करेंगे, क्या वो लोकसभा की सदस्यता से इस्तीफा देंगे, राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा देंगे। उन्होंने कहा कि ताबूत का चित्र दिखाने से ज्यादा अपमान लोकतंत्र का क्या हो सकता है। ऐसे लोगों पर तो देशद्रोह का मुकदमा दर्ज किया जाना चाहिए।

नेपाल के प्रधानमंत्री 31 मई से भारत यात्रा पर

नयी दिल्ली/काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' 31 मई से 03 जून तक भारत की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। यात्रा के दौरान विभिन्न द्विपक्षीय सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किये जायेंगे।

पिछले साल दिसंबर में कार्यभार संभालने के बाद श्री दहल की यह पहली द्विपक्षीय विदेश यात्रा है। वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निमंत्रण पर भारत आ रहे है।

नेपाल के विदेश मंत्रालय के अनुसार, श्री दहल के साथ उनकी बेटी, गंगा दहल और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति और उच्च पदस्थ अधिकारी आयेंगे।

प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि प्रधानमंत्री के साथ उनकी बेटी गंगा दहल भी होंगी। प्रधानमंत्री के दल में नेपाल सरकार के मंत्री, सचिव और वरिष्ठ

अधिकारी शामिल होंगे।

नेपाली मीडिया के मुताबिक श्री दहल के अप्रैल में ही भारत दौरे की तैयारियां हो चुकी थीं, लेकिन आखिरी समय पर यात्रा रद्द कर दी गई। संभावित यात्रा कार्यक्रम के अनुसार, प्रधानमंत्री श्री दहल 31 मई को नई दिल्ली पहुंचेंगे। विदेश मंत्री एस जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल उनका स्वागत करेंगे।

यात्रा के दौरान, श्री दहल राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से मुलाकात करेंगे और भारत और नेपाल के बीच द्विपक्षीय साझेदारी के विविध क्षेत्रों पर चर्चा करने के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी के साथ व्यापक बातचीत करेंगे। बैठक के बाद दोनों देशों के बीच विभिन्न सहयोग समझौते होंगे।

मंत्रालय ने कहा कि श्री दहल नयी दिल्ली में नेपाल-भारत व्यापार शिखर सम्मेलन को भी संबोधित करेंगे। सम्मेलन नेपाली चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफएनसीसीआई) और भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जाएगा।

बयान में कहा गया है कि आधिकारिक कार्यक्रमों के अलावा श्री दहल अपनी यात्रा के तहत उज्जैन और इंदौर भी जाएंगे।

बयान में कहा गया है कि श्री दहल की यह यात्रा हमारी %पड़ोसी पहले% नीति को आगे बढ़ाने में भारत और नेपाल के बीच नियमित रूप से उच्च स्तरीय आदान-प्रदान की परंपरा को जारी रखती है। सहयोग के सभी क्षेत्रों में पिछले कुछ वर्षों में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंध काफी मजबूत हुए हैं। यह यात्रा द्विपक्षीय साझेदारी को और गति देने में दोनों पक्षों द्वारा दिए गए महत्व को रेखांकित करती है।

बयान में यह भी कहा गया है कि उनकी भारत यात्रा द्विपक्षीय हितों को बढ़ावा देने, संबंधों को बढ़ाने और सीमा से संबंधित और अन्य मुद्दों को हल करने पर केंद्रित होगी।

हरियाणा-राजस्थान और यूपी के लिए ऑरेंज अलर्ट, 5 दिनों तक झमाझम बारिश; मौसम विभाग ने बताया

नई दिल्ली। मौसम विभाग ने हरियाणा, उत्तर-पूर्वी राजस्थान, उत्तर प्रदेश को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया। मौसम विभाग के वैज्ञानिक सोमा सेन रॉय ने कहा कि अरब सागर से आ रही नमी की वजह से उत्तर-पूर्वी भारत में आज और कल एक जैसा मौसम रहेगा और उत्तर-पश्चिमी भारत में अगले पांच दिनों में भारी बारिश होने की आशंका है। मौसम विभाग ने उत्तर-पूर्वी उत्तर प्रदेश और अन्य इलाकों में रविवार को भारी बारिश की आशंका भी जताई है।

वहीं, उत्तर भारत में शनिवार को कई राज्यों में तेज बारिश होने से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ समेत विभिन्न अंचलों में 11 लोगों की मौत हो गई। प्रदेश में कई जगहों पर 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चली तेज आंधी से पेड़ गिरे और खंभे उखड़ गए। उत्तराखंड में 29 और 30 मई के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है, जबकि पंजाब, हरियाणा, झारखंड आदि राज्यों में भी बारिश से लोगों को रोजमर्रा के कार्यों में परेशानी हुई। राजस्थान में बारिश संबंधी घटनाओं की वजह से मौतों का आंकड़ा 13 पहुंच गया। उधर, हिमाचल प्रदेश में हिमपात से कई स्थानों पर पर्यटक फंस गए, जिनके लिए रेस्क्यू कार्य

जारी है।

उत्तर प्रदेश में बारिश से भारी नुकसान

लखनऊ में तीन, मैनपुरी और गोण्डा में दो-दो लोगों के अलावा बाराबंकी, हरदोई, उन्नाव और संत कबीरनगर में एक-एक व्यक्ति की मौत हो गई।लखनऊ में तीन अलग-अलग जगह दीवार गिरने से तीन लोगों की जान चली गई। मौसम विभाग के अनुसार रविवार 28 मई को पश्चिमी यूपी में लगभग सभी स्थानों पर गरज-चमक के साथ बारिश होने या बौछारें पड़ने के आसार हैं, जबकि पूर्वी यूपी में कुछ स्थानों पर गरज चमक के साथ बारिश की आशंका जताई गई है। तेज आंधी की वजह से लखनऊ की फल पट्टी माल, मलिहाबाद, काकोरी के अलावा अन्य जिलों में भी आम की तैयार होती फसल को काफी नुकसान पहुंचा है।

झारखंड में 12 लोगों की मौत

झारखंड में में भी पिछले दो दिनों में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी।

राजस्थान में भी भारी बारिश

पूर्वी राजस्थान में कई स्थानों पर भारी वर्षा हुई, जबकि पिछले 24 घंटों में राज्य के अलग-अलग इलाकों में तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। आपदा राहत एवं प्रबंधन विभाग के मुताबिक, पिछले दो दिनों में राज्य में बारिश और तूफान से कुल 13 लोगों की मौत हुई है। राजस्थान सरकार प्रदेश में हाल में आंधी- तूफान एवं ओलावृष्टि में जान गंवाने वालों लोगों के परिजनों को पांच -पांच लाख रुपए की सहायता राशि देगी। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने यह घोषणा की।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

दूध के दंश

हाल के महीनों में कई बार दूध की कीमतों में वृद्धि जहां आम आदमी का बजट बढ़ाने वाली साबित हुई है, वहीं देश के खाद्य पदार्थों के भाव में वृद्धि से सरकार के महंगाई कम करने के प्रयास भी बाधित हुए हैं। यह विडंबना ही है कि दुनिया का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक देश भारत अपने नागरिकों की दूध की मांग पूरी करने में मुश्किल महसूस कर रहा है। कोरोना काल में दूध आपूर्ति बाधित होने से उत्पादकों को नुकसान उठाना पड़ा। वहीं सरकारी आंकड़ों के अनुसार लंपी के चलते दो लाख से अधिक गौधन की क्षति हुई। स्वतंत्र पर्यवेक्षक इसकी संख्या कहीं ज्यादा बताते हैं। बहरहाल, इन आपदाओं से हुई क्षति की वजह से दूध उत्पादन में गिरावट आना स्वाभाविक था। जिसके चलते दूध उत्पादों के आयात के कयास लगाये जा रहे हैं। हालांकि, यदि बाहर से सस्ता दूध आता है तो कीमत युद्ध से देश के दुग्ध उत्पादकों का संरक्षण करना भी एक चुनौती होगा। उल्लेखनीय है कि दुनिया का चौबीस फीसदी दूध उत्पादन भारत में होता है। बीते साल 22 करोड़ टन से अधिक दूध उत्पादन के आंकड़े हैं। लेकिन उसी अनुपात में दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले देश में दूध की मांग में भी तेजी से वृद्धि हो रही है। यह वृद्धि आठ से दस फीसदी बतायी जा रही है। कोरोना काल व बाद में लंपी के चलते दूध उत्पादन में जो गिरावट आई है, उससे इस साल कुल उत्पादन में गिरावट या स्थिर रहने के आसार हैं। तभी डेयरी उत्पाद मसलन मक्खन व घी के आयात की बात कही जा रही है। वहीं इस परिस्थितिजन्य संकट के अलावा राजनीतिक लक्ष्यों की पूर्ति के लिये दूध के मुद्दे पर भी अब खूब सियासत होने लगी है। कर्नाटक चुनाव से पहले दो दुग्ध उत्पादक ब्रांड्स को लेकर जमकर राजनीति हुई। अब यह मुद्दा तमिलनाडु में जा पहुंचा है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने केंद्रीय गृहमंत्री को पत्र लिखकर मांग की है कि आविन के मिल्क शेड क्षेत्र में अमूल की दूध खरीद पर रोक लगायी जाये। उल्लेखनीय है कर्नाटक चुनाव में अमूल की एंट्री को लेकर जमकर राजनीति हुई थी। कांग्रेस व जेडीएस ने यहां तक आरोप लगाया था कि गुजरात से आने वाला अमूल लोकल ब्रांड नंदिनी को खत्म करने की साजिश कर रहा है। यहां तक कि एक होटल संगठन ने बाकायदा अमूल उत्पादों के बहिष्कार की घोषणा की। गुजरात कोऑपरेटिव मिल्क फेडरेशन अपने ब्रांड अमूल के व्यवस्थित कारोबार के लिये जाना जाता है। जिसके चलते सहकारी दुग्ध उत्पादकों के जीवन में खासा सकारात्मक बदलाव भी आया है। वहीं ब्रांड चुनने की उपभोक्ता को आजादी है और इसके लिये बेहतर प्रबंधन भी एक शर्त है। एक पहलू यह भी है कि देश में पशुओं के चारे के दाम में खासी तेजी आई है और दुग्ध उत्पादकों का मुनाफा कम हुआ है। जिसके चलते हरियाणा समेत कई राज्यों में पशुपालक इस व्यवसाय से अपना हाथ खींच रहे हैं। यही वजह है कि मांग व आपूर्ति में असंतुलन से इसकी कीमतों में उछाल आ रहा है। कोरोना व लंपी के बाद जहां उत्पादन गिरा, वहीं मांग तेजी से बढ़ी है। हालांकि, विदेशों से दूध का आयात लाभकारी नहीं हो सकता है क्योंकि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमतें मजबूत बनी हुई हैं। बेहतर होगा कि सरकार भी सहकारी क्षेत्र के दूध उत्पादन के आंकड़ों के साथ ही निजी व असंगठित क्षेत्र के उत्पादन का भी मूल्यांकन करे, ताकि देश की जरूरतों का न्यायसंगत मूल्यांकन हो सके। वहीं दूसरी ओर सरकार को चारे की कीमतों में लगातार हो रही वृद्धि का भी नियमन करके दूध उत्पादकों को राहत देने प्रयास करना चाहिए। कोशिश हो कि चारे की फसल के रकबे में भी वृद्धि की जाये।

आज का राशीफल

मेष व्यावसायिक समस्या सुलझाने में आप सफल होंगे। वाणी की सौम्यता आपके लिए लाभदायी होगी। शासन सत्ता का सहयोग रहेगा। आर्थिक लाभ होगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। प्रणय संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

कर्क पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। निजी संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

सिंह दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। तनाव व टकराव की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी।

कन्या शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। आपके पराक्रम तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

वृश्चिक बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। व्यर्थ की उलझनें रहेंगी।

धनु व्यावसायिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मकर जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। खान-पान में सावधानी रखें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। किया गया पुरुषार्थ सार्थक होगा। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं।

कुम्भ पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समय गुजरेगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नए अनुबंध मिलेंगे। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

मीन शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। भाई या पड़ोसियों से अकारण विवाद हो सकता है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा।

भारत की वैश्विक भूमिका के नायक बने मोदी

अमेरिकी सरकार ने 2020 में संयुक्त राज्य अमेरिका सशस्त्र बलों के लिए उत्कृष्ट सेवाओं और उपलब्धियों के प्रदर्शन में असाधारण आचरण के लिए दिया जाने वाला 'लीजन ऑफ मेरिट'अवार्ड मोदी को प्रदान किया।पड़ोसी देश भूटान भी उन्हें 2021 में सर्वोच्च नागरिक अलंकरण 'ऑर्डर ऑफ दि ड्रक गियल्पो' से सम्मानित कर चुका है। अंतरराष्ट्रीय सहयोग और वैश्विक आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए उन्हें2018 में'सियोल पीस प्राइस' से नवाजा गया था। वैश्विक सम्मानोंकी ऐसी श्रृंखला यह जाहिर करती है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हमारा देश दुनिया में बड़ी भूमिका निभाने की इबारत लिख चुका है।

(लेखक - विष्णु दत्त शर्मा)

पिछले सप्ताह रविवार को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी जब जापान में हुई जी-7 की बैठक के बाद इंडो-पैसिफिक देश पापुआ न्यू गिनी पहुंचे, तब वहां के इतिहास में तीन अद्वितीय घटनाएँ हुईं। एक तो यह किसी भी भारतीय प्रधान मंत्री द्वारा इंडो-पैसिफिक देश का पहला दौरा था और दूसरा यह कि पापुआ न्यू गिनी ने पहली बार सूर्यास्त के बाद आने वाले किसी भी नेता का औपचारिक स्वागत किया।जबकि पापुआ न्यू गिनी की परंपरा मेंसूर्यास्त के बाद किसी का औपचारिक स्वागत करने की परंपरा नहीं है। हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री का वहां न केवल औपचारिक स्वागत किया गया, बल्कि एयरपोर्ट पर पारंपरिक लोक नृत्य का भी आयोजन किया गया। तीसरी अहम घटनाथी पोर्ट मोरेस्बी एयरपोर्ट पर पापुआ न्यू गिनी के प्रधानमंत्री जेम्स मारापे द्वारानरेंद्र मोदी के पैर छूकर आशीर्वाद मांगना। शायद ही ऐसा कभी हुआ है कि एक राष्ट्राध्यक्षने दूसरे किसी राष्ट्राध्यक्ष का सार्वजनिक रूप से पैर छूकर आशीषलिया हो। अपने अग्रज के आदरपूर्वक पैर छूकर आशीष लेने के सांस्कृतिक अभिवादन व अभिव्यक्ति को किसी दूसरे देश द्वारा अपने व्यवहार में लाना, हम सभी भारतीयों के लिए गौरव तो है ही हमारी सांस्कृतिक आस्थाओं को भी दुनिया में स्थान मिलने का प्रमाण है। इसलिए तीनों घटनाएँ सामान्य नहीं हैं।

आधुनिक युग में राष्ट्राध्यक्षों के स्वागत मेजबानदेश के प्रोटोकॉल के अनुसार ही नियोजित किये जाते हैं। उनमें कोई बड़ा बदलाव तभी होता है, जब सामने वाला राष्ट्राध्यक्ष भी किसी महान देश और उसकी विरासत का असाधारण नेतृत्व करने वाला हो। नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री के तौर पर आज दुनिया में एक ऐसे ही महान देश के असाधारण नेता माने जाते हैं। इसका भी ताजा उदाहरण हमें उनके गत विदेश दौरे में देखने को मिला,जब पापुआ न्यू गिनी के बाद हमारे पीएम ऑस्ट्रेलिया पहुंचे। बीते 23 मई को कुडोस बैंक एरिना में बीस हजार लोगों के जनसैलाब के समक्षऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी एल्बनीज ने नरेंद्र मोदी को 'बॉस' बताया। उन्होंने कहा- मोदी इज दि बॉस।किसी समकक्ष नेता के मुंह से ऐसे वाक्य यूं ही नहीं निकलते, इसके लिए सामने किसी विराट व्यक्तित्व का होना अपरिहार्य है।इसलिए पिछले नौ साल में मोदी जी की लगभग 65 देशों की यात्राओं से हटकर इन घटनाओं को देखना चाहिए।

यह विदेश यात्रा तो इसलिए भी बहुत मायने रखती है कि इस दौरान हमारे लोकप्रिय असाधारण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फिजी और पापुआ न्यू गिनी के सर्वोच्च सम्मानों से विभूषित किया गया। ये सम्मान उन्हें ग्लोबल साउथ के विषयों को आगे बढ़ाने और उनके वैश्विक नेतृत्व के लिए दिया गया है। फिजी के प्रधानमंत्री सितिवेनी राबुका ने सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'कंपैनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ फिजी' दिया जो बहुत ही कम बाहरी लोगों को दिया गया है।भारतीय प्रशांत द्वीप देशों की एकता और ग्लोबल साउथ लक्ष्यों की अगुवाई करने के लिए पापुआ न्यू गिनी ने भी मोदी जी को 'कंपैनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ लोगोहू' से सम्मानित किया। जाहिर सी बात है कि ग्लोबल साउथ यानी गैर यूरोपीय (लगभग 100) देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी में अपना नायक देख रहे हैं।

यह उनके नेतृत्व कौशल का ही कमाल है कि नौ साल के कार्यकाल में अमेरिका, रूस और मिडिल ईस्ट समेत कई देशों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सम्मानित किया है। वर्ष 2016 में सऊदी अरब ने गैर-मुस्लिम गणमान्य को दिए जाने वाले अपने सर्वोच्च सम्मान 'अब्दुलअज़ीज़ अल सॉद' से सम्मानित किया था। अफगानिस्तान ने सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ग़ाज़ी अमीर अमानुल्लाह ख़ान' से नवाज़ा। 2018 में फिलिस्तीन ने मोदी को विदेशी गणमान्य नागरिकों को दिए जाने वाले सर्वोच्च सम्मान 'ग्रांड कॉलर ऑफ द स्टेट' दिया। संयुक्त अरब अमीरात ने भी 2019 में अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ज़ायेद मेडल' से मोदी का सम्मान किया।

इसी कड़ी में दुनिया की बड़ी शक्ति रूस ने भी 2019 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'सेंट एंड्रू अवॉर्ड' से सम्मानित किया तोबहरीन ने 2019 में 'किंग हमाद ऑर्डर ऑफ दि रेनेसां'दिया, जो खाड़ी देशों का सर्वोच्च सम्मान है।मालदीव ने किसी भी विदेशी नागरिक को दिया जाने वाला सर्वोच्चसम्मान 2019 में 'निशान इज्जुदीन अवॉर्ड' मोदी को दिया। अमेरिकी सरकार ने 2020 में संयुक्त राज्य अमेरिका सशस्त्र बलों के लिए उत्कृष्ट सेवाओं और उपलब्धियों के प्रदर्शन में असाधारण आचरण के लिए दिया जाने वाला 'लीजन ऑफ मेरिट'अवार्ड मोदी को प्रदान किया।पड़ोसी देश भूटान भी उन्हें 2021 में सर्वोच्च नागरिक अलंकरण 'ऑर्डर ऑफ दि ड्रक गियल्पो' से सम्मानित कर चुका है। अंतरराष्ट्रीय सहयोग और वैश्विक आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए उन्हें2018 में'सियोल पीस प्राइस' से नवाजा गया था। वैश्विक सम्मानोंकी ऐसी श्रृंखला यह जाहिर करती है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हमारा देश दुनिया में बड़ी भूमिका निभाने की इबारत लिख चुका है। दुनिया समझ रही है कि महान देश भारत को एक असाधारण नेतृत्व मिला है, जिसने अपने देश के पुराने गौरव को वापस लाने में भगीरथ भूमिका निभायी है।यह कोई साधारण बात नहीं है कि जब 2014 में नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने तब हमारी योग परंपरा को वैश्विक स्वीकृति मिली और अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की शुरुआत हुई। 2014 में ग्लोबल इकोनॉमी में भारत दसवें स्थान पर था, जो कि 2022 में ब्रिटेन को बाहर करके पांचवें स्थान पर आ गया। अब जर्मनी को पछाड़कर यह चौथी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। भारत की यह शक्ति उसके असाधारण नेतृत्व के कारण बढ़ी है। इसलिए दुनिया के नेताओं ने मोदी के करिश्माई नेतृत्व को परख लिया हैएवं उन्हें नरेंद्र मोदी में विश्व का नेतृत्वकर्ता दिखाई देता है।

सदियों से भारत विश्व को राह दिखाने वाला राष्ट्र रहा है, इसीलिए यह विश्व गुरु की भूमिका निभाने का अधिकारी भी रहा। हर कालखंड में दुनिया के देशों ने भारत से वैश्विक नेतृत्व की आकांक्षा रखी है, परन्तु दशकों से भारत को इस भूमिका को निभाते हुए नहीं देखा गया। लेकिन 2014 के बाद बदलते भारत को देखकर विश्व ने भी यह अनुभव किया है कि अब यह देश नये नेतृत्व के साथ नयी भूमिका में आ गया है। चाहे वह पड़ोसी देशों के विवाद हों, विश्व आपदाएँ हों, सामरिक चुनौतियां हों या आर्थिक मोर्चा, सारे मामलों में भारत का अब निजी नजरिया और निर्णय होता है। यह नजरिया इसके नेतृत्व की कार्यशैली से सिद्ध हुआ है। आतंकवादको कुचलनेहेतु भारतीय सेना अब पाकिस्तान में घुसकर स्ट्राइक करती है।मोदी सरकार अपने सैनिक अभिनंदन को बिना शर्त तत्काल वापस लाती है। विश्व शक्तियों की आंख में आंख डालकर भारत ने कश्मीर में धारा 370 को विदा कर दिया। श्रीराम मंदिर जैसे मसलों का हल निकाल कर दुनिया को अपनी अंदरुनी ताकत का एहसास भी करा दिया।

सदी के सबसे बड़े मानवीय संकट (कोविड) में अनेक देशों को वैक्सीन देकर वसुधैव कुटुम्बकम की भावना और विश्व गुरु की भूमिका को चरितार्थ करने वाले नेतृत्व को दुनिया ने देखा है। देश में मुफ्त वैक्सीन का अनूठा अभियान भी दुनिया देख चुकी है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सक्षम-समर्थ भारत अपनी वैश्विक भूमिका के साथ आगे बढ़ रहा है।

(लेखक भाजपा मध्य प्रदेश के अध्यक्ष एवं खजुराहो लोकसभा क्षेत्र से सांसद हैं।)

शांति अभियानों में संलग्न हैं एक लाख से ज्यादा शांति रक्षक

लेखक- योगेश कुमार गोयल - संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षक दिवस (29 मई) पर विशेष

24 अक्तूबर 1945 को संयुक्त राष्ट्र अधिकार पत्र पर 50 देशों के हस्ताक्षर होने के साथ ही संयुक्त राष्ट्र की स्थापना हुई थी, जो एक ऐसा अंतर्राष्ट्रीय संगठन है, जो अपनी स्थापना के बाद से ही विश्व शांति के साथ-साथ मानवाधिकार, अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक विकास, सामाजिक प्रगति तथा अंतर्राष्ट्रीय कानूनों को सुविधाजनक बनाने के लिए कार्यरत रहा है। इसकी स्थापना द्वितीय विश्वयुद्ध के विजेता देशों ने मिलकर इस उद्देश्य से की थी ताकि संयुक्त राष्ट्र द्वारा अंतर्राष्ट्रीय संघर्ष के मामलों में हस्तक्षेप करने से भविष्य में पुनः विश्वयुद्ध जैसे हालात न उभरने पाएं। इन देशों में अमेरिका, यूके, फ्रांस, रूस इत्यादि दुनिया के शक्तिशाली देश शामिल थे। संयुक्त राष्ट्र के संस्थापकों को उम्मीद थी कि वे इसके जरिये युद्ध को सदा के लिए रोक पाएंगे किन्तु 1945 से 1991 के शीत युद्ध के समय विश्व के विरोधी भागों में विभाजित होने के कारण शांति रक्षा संघ को बनाए रखना बहुत कठिन हो गया था। 29 मई 1948 को संयुक्त राष्ट्र द्वारा पहला संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन स्थापित किया गया था। उस समय इसरायल तथा अरब देशों के बीच फैली अशांति को दूर करने के लिए वहां यूएन द्वारा शांति रक्षक सैनिकों की तैनाती की गई थी। संयुक्त राष्ट्र द्वारा अफ्रीका, अमेरिका, एशिया, यूरोप तथा मध्य पूर्व में 71 शांति अभियानों की स्थापना की गई। दुनियाभर में शांति बहाल करने में संयुक्त राष्ट्र के शांति रक्षकों की अहम भूमिका रहती है, जो कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी अपनी जान दांव पर लगाकर कार्य करते रहे हैं और फिलहाल विश्वभर में एक लाख से भी अधिक पुरूष व महिला बतौर शांति रक्षक यूएन के शांति अभियानों में संलग्न हैं, जिनमें विभिन्न देशों में करीब 96 हजार सैनिकों और पुलिसबल के अलावा लगभग 15 हजार आम नागरिक और हजारों स्वयंसेवक यूएन के शांति रक्षा मिशन में शामिल हैं। संयुक्त राष्ट्र के शांति मिशन में सबसे ज्यादा संख्या इथोपिया और बांग्लादेश के शांति रक्षकों की है और इन दोनों देशों के बाद इसमें सर्वाधिक योगदान देने वाले देशों में भारत है। फिलहाल सात हजार से भी अधिक भारतीय सैन्य और पुलिस जवान अफगानिस्तान, कांगो, हैती, लेबनान, लाइबेरिया, मध्य पूर्व, साइप्रस, दक्षिण सूडान, पश्चिम एशिया और पश्चिम सहारा में संयुक्त राष्ट्र के शांति मिशनों में शांति रक्षा के लिए तैनात हैं। जहां तक यूएन के शांति मिशनों में भारत की भूमिका की बात है तो सबसे पहले नवम्बर 1950 से जुलाई 1954 तक चले कोरियाई युद्ध के दौरान भारत की ओर से इस मिशन में 17 अधिकारी, 9 जूनियर कमीशंड अधिकारी (जेसीओ) तथा 300 सैनिक तैनात किए गए थे। भारत हथियारों से लैस एक दल को 1956 से 1967 के बीच संयुक्त राष्ट्र की आपातकालीन सेना में भेजने वाला देश भी बना था। उस अवधि के दौरान भारत की ओर से 393 अधिकारी, 470 जेसीओ तथा 12383 जवान संयुक्त राष्ट्र के मिशन में शामिल हुए थे। 1960 से 1964 तक चले यूएसओसी कांगो मिशन में भारतीय वायुसेना के छह कैनबरा बॉम्बर एयरक्राफ्ट भी तैनात किए गए थे, जिनमें 467 अधिकारी, 401 जेसीओ तथा 11354 जवानों ने हिस्सा लिया था और उस मिशन में 39 सैनिकों ने अपने प्राण भी गंवाए थे। 1992 से 1993 तक कम्बोडिया में भारत ने सीजफायर की निगरानी की थी तथा चुनाव के दौरान भी कम्बोडिया की सहायता की थी। उस दौरान भारत की ओर से संयुक्त राष्ट्र के इस मिशन में 1373 सैनिकों की तैनाती की गई थी। संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा वर्ष 2002 में आम नागरिकों की सुरक्षा के लिए पहली बार 'शांति रक्षा मिशन' को अधिकार दिए गए और 29 मई को 'शांति रक्षक दिवस' के रूप में नामित किया गया, तभी से प्रतिवर्ष इसी दिन को 'संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षक दिवस' के रूप मंप मनाया जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र की अपनी कोई स्वतंत्र सेना नहीं होती और शांति रक्षा का प्रत्येक कार्य सुरक्षा परिषद द्वारा अनुमोदित होता है। यूएन के शांति रक्षा कार्यों में भाग लेना वैकल्पिक होता है और कनाडा तथा पुर्तगाल ही विश्व में अब तक सिर्फ दो ऐसे देश हैं, जिन्होंने प्रत्येक शांति रक्षा अभियान में हिस्सा लिया है। शांति रक्षक दल संयुक्त राष्ट्र को उसके सदस्य देशों द्वारा प्रदान किए जाते हैं, जो प्रायः ऐसे क्षेत्रों में भेजे जाते हैं, जहां हिंसा कुछ समय पहले से बंद है ताकि वहां शांति संघ की शर्तों को लागू रखते हुए हिंसा को रोककर रखा जा सके। यूएन का शांति रक्षा मिशन इस साल अपनी 75वीं सालगिरह मना रहा है। यूएन के पिछले 75 वर्षों के शांति रक्षक अभियानों में जहां अब तक दुनियाभर के 4000 से भी ज्यादा शांति रक्षकों ने अपने प्राणों की आहूति दी, वहीं इनमें भारत के शहीद हुए शांति रक्षकों की संख्या करीब 170 है, जो किसी भी अन्य देश के मुकाबले सर्वाधिक है। वर्ष 2017 में संयुक्त राष्ट्र के किसी भी शांतिरक्षक अभियान में भारत के किसी भी शांतिरक्षक को अपने प्राणों की आहूति नहीं देनी पड़ी थी। अंतर्राष्ट्रीय संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षक दिवस वैश्विक शांति के लिए अपने प्राणों की आहूति देने वाले ऐसे संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षकों की स्मृति के सम्मान में मनाया जाता है, जिन्होंने शांति स्थापना में अपने प्राणों का बलिदान दे दिया। इस दिन संयुक्त राष्ट्र के शांति प्रबंधन कार्यों में अपने उच्च स्तर की व्यावसायिकता, समर्पण और साहस का प्रदर्शन करते अपनी जान गंवाने वाले शांति रक्षकों को श्रद्धांजलि दी जाती है। शांति रक्षकों को मरणोपरांत 'डैग हैमारस्जोल्ड मैडल' प्रदान किया जाता है। यह पदक कर्त्तव्य निर्वहन के दौरान अदम्य साहस और बलिदान के लिए दिया जाता है। इस सम्मान की स्थापना वर्ष 2000 में संयुक्त राष्ट्र के दूसरे महासचिव डैग हैमारस्जोल्ड की स्मृति में की गई थी, जिनकी 1961 में एक विमान हादसे में मौत हो गई थी। शांति रक्षक अत्यधिक जोखिम उठाते हुए प्रतिदिन विभिन्न देशों में पुरूषों, महिलाओं और बच्चों की हिंसा से रक्षा करते हैं।

(लेखक 33 वर्षों से पत्रकारिता में सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

75 साल में विकेन्द्रीयकरण की सत्ता का केंद्रीकरण

लेखक- सनत जैन

भारत को स्वतंत्र हुए 75 साल हो चुके हैं। भारत में 1950 से लोकतांत्रिक व्यवस्था के अंतर्गत शासन व्यवस्था संचालित हो रही है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में सबसे ज्यादा ताकत प्रधानमंत्री मुख्यमंत्री और कलेक्टर के पास होती है। इन पदों पर रहते हुए वह जो करना चाहते हैं, वह कर पाते हैं। इन पदों पर रहते हुए लोकतांत्रिक व्यवस्था में विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका यह 3 संवैधानिक संस्थाएं, पीएम सीएम और कलेक्टर के ऊपर नियंत्रण करने का काम करती हैं। तीनों पदों में असीमित अधिकार होते हुए भी एकाधिकार किसी के पास नहीं था। भारत में 776 सांसद लोकसभा और राज्यसभा में बैठते हैं। सभी राज्यों में मिलाकर लगभग 4300 से अधिक विधायक हैं। 40 वर्ष पहले त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था में जिला पंचायत, जनपद पंचायत और ग्राम पंचायतों को अधिकार संपन्न बनाते हुए, इन्हें आम जनता का भाग्य विधाता कहा गया है। जो गांव से लेकर दिल्ली तक की नीतियां और सत्ता को नियंत्रित करने का काम करते हैं। लोकतांत्रिक व्यवस्था में पक्ष और विपक्ष पीएम, सीएम और कलेक्टर पर नियंत्रण करते हैं। जिस तरह महावत ताकतवर हाथी को अंकुश के माध्यम से नियंत्रित करता है। उसी तरह न्यायपालिका का अंकुश सभी ताकतों को नियंत्रित करती है। उस अंकुश का असर, ईमानदारी और विश्वास के रूप में सभी पक्षों को था। जिसके कारण सत्ता का केंद्रीकरण कभी नहीं हो पाया था। पिछले 9 वर्षों में सत्ता के सारे सूत्र पीएमओ के पास केंद्रित हो गए है। पहली बार पीएमओ द्वारा जिस तरह की नीतियों को अपनाया गया। देखते ही देखते पीएमओ अर्थात प्रधानमंत्री कार्यालय सर्व शक्तिमान हो गया। केंद्रीय मंत्रालय के सभी मंत्रियों को पीएमओ तक अपनी फाइलें भेजनी होती थी। केंद्रीय मंत्री स्वतंत्र तरीके से कोई निर्णय लेने की स्थिति में नहीं थे। पीएमओ के निर्देश पर विभागीय मंत्री और सचिव काम करने लगे। सारे फैसले अंतिम रूप से पीएमओ में होने लगे। फंड का आवंटन भी पीएमओ से होने लगा। पीएमओ के सामने केंद्रीय मंत्री बोने साबित हो गए। वह स्वतंत्र रूप से कैबिनेट में अपनी बात रखने के स्थान पर चुप रह कर सहमति व्यक्त करते है। मंत्री परिषद की वर्तमान भूमिका से शक्ति का केंद्रीकरण होना शुरू हुआ। धीरे-धीरे राज्यों के मुख्यमंत्री और जिलों के कलेक्टरों को भी सीधे प्रधानमंत्री कार्यालय से निर्देश और आदेश मिलने लगे। भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय पुलिस सेवा एवं भारतीय राजस्व सेवा के अधिकारियों को पीएमओ से निर्देश मिलते है। फल स्वरुप देश के 28 मुख्यमंत्री और 795 कलेक्टर एवं संवैधानिक संस्थाओं के प्रमुख पीएमओ की इच्छा के अनुरूप काम करने के लिए, पिछले 9 वर्षों में पूरी तरह से विवस और आश्रित हो गए हैं। जिसके कारण भारत में केवल एक ही व्यक्ति के हाथ में सत्ता का केंद्रीकरण हो चुका है। लोकसभा हो या राज्यसभा हों। यहां अध्यक्ष सत्ता के अधीन हो गए। राज्यों के मुख्यमंत्रियों पर नियंत्रण करने के लिए राज्यपालों की भूमिका को ताकतवर बना दिया गया। संसद भी सत्ता पक्ष के अनुरूप काम करने लगी। सत्र की अवधि घटा दी गई। सरकार जैसे सदन चलाना चाहती थी, वैसे सदन को चलाया गया। सदन के अंदर संवाद धीरे-धीरे खत्म हो गया। सत्ता पक्ष बहुमत के आधार पर निर्णय करने लगा। धीरे-धीरे नैतिकता और परंपराओं का भी लोप होना शुरू हो गया। मनी बिल के तहत बहुत सारे संशोधन पेश होने लगे। सांसदों के संसद में अधिकार कम हो गए है। नोटबंदी और जीएसटी जैसे कानून में हजारों नियम सर्कुलर द्वारा सरकार ने लागू किए। हद तो तब हो गई जब बिना बहस के एक साथ सारा वार्षिक बजट ध्वनि मत से पारित हो गया। केंद्रीय कार्मिक मंत्रालय, भारतीय सेवा के अधिकारियों को सीधे केंद्र से नियंत्रित करने लगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कद इतना बड़ा हो गया, कि वह भारत में ईश्वर के समकक्ष हो गए। पिछले 10 वर्षों में मतदाताओं को जो सपने दिखाए गए। मतदाता उसे सच मानकर मोदी चमत्कार के सपनों में खो गया। पिछले 10 बरस में जो सपने दिखाए गए थे। धीरे-धीरे वह टूटना भी शुरू हो गए हैं। अच्छे दिन के स्थान पर अब लोगों को एक-एक दिन गुजारना भारी पड़ने लगा है। सिंगल-डबल और ट्रिपल एंजिन की सरकार का पायलट एक ही है। उसी के पास सारे नियंत्रण के अधिकार हैं। लोकतांत्रिक व्यवस्था में सत्ता का केंद्रीकरण एक ही व्यक्ति के पास होना, यह पहली बार देखने को मिल रहा है। पिछले 9 सालों में देश में जो देखने को मिल रहा है। उसे बहुत अच्छा नहीं कहा जा सकता है। आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक और नैतिकता के मानदंड बड़ी तेजी के साथ बदले गए हैं। भारत में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ईश्वरीय क्षमता के साथ सत्ता के सभी अधिकार अपनी इच्छा से संचालित करते है। सत्ता के केंद्रीकरण का लाभ और नुकसान का आकलन तो समय के साथ ही करना होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अमेरिका कर्ज न चुका पाया तो पूरी दुनिया होगी प्रभावित!

- बॉन्ड्स के जरिए उठाए गए कर्ज और अन्य बिलों के भुगतान के लिए अमेरिका के पास पर्याप्त राशि नहीं

नई दिल्ली ।

संयुक्त राज्य अमेरिका इस समय आर्थिक संकट का सामना कर रहा है। मंदी की आशंका के बीच अब देश की कर्ज लेने की सीमा भी पार हो चुकी है। बॉन्ड्स के जरिए उठाए गए कर्ज और अन्य बिलों के भुगतान के लिए अमेरिका के पास पर्याप्त राशि नहीं है। यूएस की वित्त मंत्री जैनेट येलेन ने कहा है कि देश के पास 5 जून तक का समय है उसके बाद अमेरिका डिफॉल्टर हो जाएगा लेकिन डिफॉल्टर होने का मतलब क्या है। अगर अमे रिका कर्ज नहीं चुका पाया तो क्या होगा। गौरतलब है कि अमेरिका पर फिलहाल 31 लाख करोड़ डॉलर का कर्ज है। मान लीजिए कि एक व्यक्ति ने बैंक से घर खरीदने के लिए लोन लिया। उसने घर खरीदा, कुछ समय तक किस्त चुकाई लेकिन फिर बैंक को पैसा देना बंद कर दिया। शख्स ने कहा कि उसके पास कर्ज चुकाने के लिए धन है ही नहीं। ऐसी स्थिति में बैंक घर को जब्त करके नीलाम कर देगा। इससे जो पैसा आएगा उससे वह अपने कर्ज की भरपाई करेगा। अब सवाल उठता है कि क्या अमेरिका की भी संपत्ति जब्त होगी। जवाब है नहीं, इस उदाहरण का शुरुआती हिस्सा अमेरिका में चल रहे संकट से बिलकुल मेल खाता है लेकिन संपत्ति नीलाम होने वाली नहीं। अमेरिका इसलिए इतना कर्ज उठा पाता है क्योंकि लोगों को उसकी करेंसी और अर्थव्यवस्था पर भरोसा है। अगर यूएस अपने लोन पर डिफॉल्ट करता है तो सबसे पहले ये भरोसा टूटेगा। लोग डॉलर में पैसा लगाने की बजाय उसे निकालना शुरू कर देंगे। इससे डॉलर की वैल्यू तेजी से नीचे गिरेगी। इसे करेंसी का डीवैल्यूएशन कहते हैं। ठीक वैसे ही जैसे पाकिस्तान और श्रीलंका में हुआ। अमेरिकी डॉलर की वैल्यू नीचे जाने से वहां चीजों के दाम आसमान छूएंगे। इसकी भरपाई के लिए संभव है कि अमेरिका और करेंसी छापे। जैसा अभी अर्जेंटीना कर रहा है और श्रीलंका ने पहले किया था। नए करेंसी नोट छापने से महंगाई और तेजी से बढ़ेगी। अंततः अर्थव्यवस्था पूरी तरह धराशायी हो जाएगी। चूंकि अब अमेरिकी डॉलर या अर्थव्यवस्था पर लोगों का भरोसा कम हो जाएगा तो यूएस के लिए बॉन्ड बेचकर अपने लिए कर्ज जुटा पाना बहुत मुश्किल हो जाएगा। बॉन्ड का इस्तेमाल सरकार और प्राइवेट कंपनियां दोनों ही फंड जुटाने के लिए करती हैं लेकिन बॉन्ड बिकना बंद होने से इस फंडिंग पर असर होगा। बहुत से सारे विकास के कार्य रुक जाएंगे। कंपनियों के पास फंड की कमी होगी जिसकी भरपाई के लिए और छंटनियां की जाएंगी। स्टार्टअप्स जो फंडिंग की तलाश कर रहे हैं उन पर तगड़ी चोट होगी। इससे बाकी दुनिया पर भी असर होगा। दुनिया का करीब 60 फीसदी करेंसी रिजर्व डॉलर में है। अगर डॉलर की वैल्यू गिरती है तो इन रिजर्व में रखी रकम की कीमत भी तेजी से नीचे आएगी और देशों की खरीदने की शक्ति बहुत घट जाएगी।

बीते सप्ताह सोने और चांदी की कीमतों में आई गिरावट

नई दिल्ली । बीते कारोबारी हफ्ते में सोने के साथ-साथ चांदी की कीमतों में भी गिरावट दर्ज की गई। वैसे हफ्ते के दौरान सोने की कीमतों में कोई खास बदलाव नहीं आया। पर चांदी की कीमत में अच्छी गिरावट आई। जहां सोने की कीमतों में 133 रुपए की गिरावट आई, तो वहीं चांदी की कीमत 1284 रुपए कम हुई। 19 मई को चांदी की कीमत 71784 रुपए पर बंद हुई थी, जबकि 26 मई को यह 70500 रुपए पर बंद हुई। इस तरह चांदी बीते हफ्ते 1284 रुपए कम हुई। चांदी की कीमतें बीते हफ्ते सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को बढ़ी थीं, जबकि बाकी दिनों में इसकी कीमत कम हुई। कारोबारी सप्ताह के पहले दिन सोमवार को सोने का भाव 60829 रुपए प्रति 10 ग्राम पर और मंगलवार को 60342 रुपए पर बंद हुआ था। बुधवार को सोना 60680 रुपए, गुरुवार को 59987 रुपए और शुक्रवार को 60142 रुपए पर बंद हुआ था। दिल्ली के सर्राफा बाजार में इस समय सोने की कीमत 59460 रुपए पर दिख रही है। सोने की कीमतें सपाट हैं और इनमें कोई बदलाव नहीं देखने को मिल रहा है। वहीं चांदी भी सपाट 71230 रुपए पर है। एक रिपोर्ट के अनुसार चांदी के लिए विशेषज्ञों का मानना है कि इसकी कीमत 90000 रुपए तक जा सकती है।

बोल्ट ऑडियो का इस साल सर्विस सेंटर 250 करने का लक्ष्य

मुंबई । बोल्ट ऑडियो की देश में अपने सर्विस सेंटर की संख्या इस वर्ष के अंत तक बढ़ाकर 250 करने की योजना है। साथ ही कंपनी ने अपनी कुल आय चालू वित्त वर्ष के अंत तक मौजूदा 500 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 1,000 करोड़ रुपए करने का लक्ष्य रखा है। कंपनी ने शनिवार को एक बयान में कहा कि कंपनी के अभी 28 राज्यों के 146 शहरों में 183 सर्विस सेंटर हैं। इस साल के अंत तक 67 नए सर्विस सेंटर के साथ इसकी संख्या बढ़ाकर 250 करने की योजना है। कंपनी ये सर्विस सेंटर छोटे एवं मझोले शहरों समेत देश के विभिन्न भागों में खोलेगी। कंपनी ने यह भी कहा कि वह चालू वित्त वर्ष के अंत तक अपनी कुल आय मौजूदा 500 करोड़ रुपए से 1,000 करोड़ रुपए करने का लक्ष्य रखा है। बोल्ट ने कहा कि वह अभी सिर्फ ऑनलाइन माध्यम से अपने उत्पाद बेचती है लेकिन निकट भविष्य में वह ऑफलाइन भी सामान बेचने की योजना बना रही है।

जर्मनी में मंदी से भारत के कुछ क्षेत्रों का निर्यात हो सकता है प्रभावितः सीआईआई

नई दिल्ली: जर्मनी में आर्थिक मंदी से भारत का रसायन, मशीनरी, परिधान और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्रों का यूरोपीय संघ (ईयू) को निर्यात प्रभावित हो सकता है। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) की निर्यात-आयात (एग्जिम) पर समिति के चेयरमैन संजय बुधिया ने यह बात कही है। उन्होंने यह भी कहा कि हालांकि जर्मनी में आर्थिक मंदी का भारतीय निर्यात पर असर जानना अभी जल्दबाजी होगी। दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश जर्मनी मंदी का सामना कर रहा है। इसका सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 2022 की चौथी तिमाही में 0.5 प्रतिशत की गिरावट के बाद 2023 की पहली तिमाही में 0.3 प्रतिशत और गिर गया। बुधिया ने कहा, ÷वर्ष 2022 में भारत के कुल निर्यात में जर्मनी का हिस्सा 4.4 प्रतिशत जर्मनी था। भारत ने मुख्य रूप से जैविक रसायनों, मशीनरी, इलेक्ट्रॉनिक्स, परिधान, फुटवियर, लौह-इस्पात के साथ-साथ चमड़े की वस्तुओं का निर्यात किया था। उन्होंने कहा, हालांकि जर्मनी में मंदी के भारत पर प्रभाव का अभी आकलन करना जल्दबाजी होगा, लेकिन उपरोक्त क्षेत्र सबसे अधिक प्रभावित होंगे। उन्होंने कहा कि पूरा ईयू बढ़ती ऊर्जा कीमतों का सामना कर रहा है, जिससे लगातार दो तिमाहियों से जर्मनी में मंदी बनी हुई है।

(मार्केट कैप) सेंसेक्स की प्रमुख सात कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 1.51 लाख करोड़ बढ़ा

- सबसे अधिक लाभ में रिलायंस इंडस्ट्रीज और टीसीएस रहीं

मुंबई । बीते सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 में से सात कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 1,51,140.39 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई। सबसे अधिक लाभ में रिलायंस इंडस्ट्रीज और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) रहीं। समीक्षाधीन सप्ताह में जहां रिलायंस इंडस्ट्रीज, टीसीएस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईटीसी, इन्फोसिस, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और भारती एयरटेल का बाजार मूल्यांकन बढ़ गया, वहीं एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और एचडीएफसी की बाजार हैसियत घट गई। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 43,131.02 करोड़ रुपए बढ़कर 16,95,833.65 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। टीसीएस का बाजार मूल्यांकन 39,243.32 करोड़ रुपए के उछाल के साथ 12,18,098.20 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। आईटीसी की बाजार हैसियत 29,578.69 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी के साथ 5,51,431.15 करोड़ रुपए और इन्फोसिस की 20,171.09 करोड़ रुपए की वृद्धि के साथ 5,46,662.99 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का बाजार पूंजीकरण 9,638.58 करोड़ रुपए के उछाल के साथ 5,22,848.39 करोड़ रुपए पर और भारती एयरटेल का 6,981.11 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी के साथ 4,56,031.45 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हैसियत 2,396.58 करोड़ रुपए बढ़कर 6,23,017.62 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। इस रुख के विपरीत एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 17,825.74 करोड़ रुपए घटकर 9,02,742.36 करोड़ रुपए रह गया। एचडीएफसी की बाजार हैसियत 11,382.46 करोड़ रुपए के नुकसान से 4,88,466.16 करोड़ रुपए रह गई।

(शेयर बाजार समीक्षा) इस सप्ताह वृहद आर्थिक आंकड़े और वैश्विक रुझान तय करेंगे शेयर बाजार की चाल

- अमेरिका के ऋण समझौते तथा संस्थागत प्रवाह पर भी सभी की नजर रहेगी

मुंबई ।

इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजार की चाल वृहद आर्थिक आंकड़ों, वाहन बिक्री के मासिक आंकड़ों, एफआईआई के प्रवाह और वैश्विक रुझानों से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। अमेरिका के ऋण समझौते तथा संस्थागत प्रवाह पर भी सभी की नजर रहेगी। बाजार के जानकारों का कहना है कि इस सप्ताह बाजार भागीदार संस्थागत प्रवाह पर करीबी नजर रखेंगे, क्योंकि माना जाता है जब विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) और घरेलू संस्थागत निवेशक (डीआईआई) दोनों शुद्ध लिवाल हो जाते हैं, तो बाजार में कुछ मुनाफावसूली की संभावना बन जाती है। उन्होंने कहा कि वैश्विक मोर्चे पर अमेरिका में ऋण सीमा को लेकर गतिविधियां महत्वपूर्ण रहेंगी। इसके अलावा अमेरिका के वृहद आर्थिक आंकड़ों, बॉन्ड पर प्रतिफल, डॉलर सूचकांक की चाल और कच्चे तेल के दाम पर भी भागीदारों की निगाह रहेगी। उन्होंने कहा कि घरेलू मोर्चे पर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़े और वाहन बिक्री के आंकड़े महत्वपूर्ण रहेंगे। एक अन्य बाजार विशेषज्ञ ने कहा कि इस सप्ताह नए महीने की शुरुआत होगी। ऐसे में बाजार भागीदारों की निगाह वाहन बिक्री, विनिर्माण पीएमआई और सेवा पीएमआई आंकड़ों पर होगी। इससे पहले 31 मई को जीडीपी के आंकड़े आने हैं। विनिर्माण क्षेत्र के पीएमआई आंकड़े गुरुवार को आएंगे। उन्होंने कहा कि इन सब कारकों के अलावा बाजार भागीदारों की निगाह अमेरिकी बाजार के प्रदर्शन पर रहेगी। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि बीते सप्ताह घरेलू बाजारों का प्रदर्शन वैश्विक घटनाक्रमों से प्रभावित रहा। इनमें अमेरिका में ऋण सीमा बढ़ाने को लेकर गतिरोध, जर्मनी में मंदी और अमेरिकी फेडरल रिजर्व के अधिकारियों की टिप्पणियां शामिल हैं।

इनोवा हाईक्रॉस और क्रिस्टा की बढी लोकप्रियता

-बाजार में 7 सीटर कारों की तेजी से बढ़ रही सेल

नई दिल्ली ।

कारों की लोकप्रियता को देखते हुए टोयोटा अपनी इनोवा को अब दो मॉडल्स सेल करने लगी है। इनोवा हाईक्रॉस और इनोवा क्रिस्टा ये दोनों वर्जन बहुत लोकप्रिय है। मारुति के पास भी मारुति एक्सएल6 और मारुति अर्टिगा के रूप में दो काफी लोकप्रिय कारें मौजूद हैं। किआ भी अपनी कैरेंस को सेवेन सीटर मॉडल के तौर पर सेल करती है। लेकिन ग्राहकों के लिए जल्द ही इस सेगमेंट में और विकल्प जुड़ने वाला हैं। यहां हम आपके लिए मार्केट में जल्द ही लॉन्च होने जा रही 7 सीटर कारों की लिस्ट लेकर आए हैं जो आपके और आपकी फैमिली के लिए अच्छा विकल्प हैं। मालूम हो कि कंपनी के पास अर्टिगा के नाम से पहले से ही बेहद लोकप्रिय कार है और अब मारुति सुजुकी भारतीय बाजार में एक और 7 सीटर कार लाने की तैयारी में है। कंपनी ने कुछ समय पहले ही इंगेज नाम के लिए ट्रेडमार्क अप्लाई किया है और यह कार भारतीय बाजार में जल्द उतारी जाएगी। माना जा रहा है कि यह टोयोटा की कुछ समय पहले आई इनोवा हाईक्रॉस पर बेस्ड हो सकती है। इसे पार्टनरशिप के तहत मारुति सुजुकी के री-बैज वर्जन के रूप में बाजार में उतारा जा सकता है। भारतीय बाजार में निसान और रैनॉ ज्वाइंट वेंचर के तहत काम कर रही हैं। इस पार्टनरशिप के तहत जल्द ही भारत में एक एमपीवी लॉन्च होने वाली है। इसके ट्राइबर पर बेस्ड होने की संभावना है। ट्राइबर वर्तमान में देश की सबसे सस्ती 3-रो एमपीवी सेल पर है। निसान भी इसी प्राइज सेगमेंट में अपनी एमपीवी लाएगी। हालांकि, इसमें थोड़े ज्यादा प्रीमियम फीचर हो सकते हैं और इसमें बड़ा टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, क्लाइमेट कंट्रोल, कीलेस एंट्री और स्टार्ट/स्टॉप बटन जैसे फीचर्स हो सकते हैं। बता दें कि इनोवा हाईक्रॉस 7 और 8 सीटर मॉडल में सेल करती है और यह कार अडास जैसे सेफ्टी फीचर से भी लैस है। इसमें आपको 2.0 लीटर का पेट्रोल और 2.0 लीटर का स्ट्रांग हाइब्रिड पेट्रोल इंजन दिया जाता है और माना जा रहा है कि मारुति सुजुकी की नई 7 सीटर कार अगले 2 महीनों के अंदर बाजार में उतारा जा सकता है।

मारुति सुजुकी और टोयोटा की पार्टनरशिप के तहत एक और 7 सीटर कार आ सकती है जो कि टोयोटा की तरफ से लाई जाने वाली है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो टोयोटा मारुति अर्टिगा पर आधारित एक नई एमपीवी को लॉन्च करने की तैयारी कर रही है। आपको बता दें कि कंपनी पहले से ही दक्षिण अफ्रीका में अर्टिगा के रीबैच वर्जन को रुमियन नाम से सेल करती है।

छोटी बचत योजनाओं में 10 लाख के निवेश पर आय का सबूत जरूरी

नई दिल्ली ।

डाकघर की छोटी बचत योजनाओं में अब 10 लाख या इससे ज्यादा का निवेश करने पर कमाई का सबूत देना होगा। मनी लॉन्ड्रिंग व आतंकी गतिविधियों की फंडिंग रोकने के लिए सरकार नया नियम लाई है। डाक विभाग की ओर से ग्राहक को जानो (केवाईसी) के संबंध में जारी परिपत्र के अनुसार अब सभी योजनाओं में निवेश के लिए पैन व आधार देना होगा। भारत के बाहर रहने वाले राजनीतिक रूप से जोखिम वाले व्यक्तियों (पीईपी) से संबंधित खाते उच्च जोखिम श्रेणी के अंतर्गत आएंगे। बैंक या डाकघर खाते का विवरण, जिसमें पैसे की पूरी जानकारी हो। पिछले तीन साल में से किसी एक साल के आईटी रिटर्न का विवरण। डाकघर की सभी योजनाओं में कुल निवेश 50 हजार रुप, से ज्यादा नहीं तो कम जोखिम वाला निवेशक, 50 हजार रुपए से ज्यादा, पर 10 लाख रुपये से कम रकम वाले निवेशक मध्यम जोखिम श्रेणी में, रकम 10 लाख या इससे ज्यादा है, तो फिर निवेशक उच्च जोखिम श्रेणी में और इनके ऊपर कड़े प्रावधान लागू होंगे।

सब्सक्रिप्शन के लिए इस सप्ताह खुलेंगे तीन एमएसई आईपीओ

- एसएमई आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए 30 मई को खुलेगा और 2 जून को बंद होगा

नई दिल्ली ।

निवेशकों के लिए आने वाला सप्ताह कमाई के बेहतर विकल्प लेकर आने वाला है। तीन एमएसई आईपीओ, इंफोलियन रिसर्च सर्विसेज लिमिटेड, सीएफएफ फ्लुइड कंट्रोल लिमिटेड और कॉमरेड एप्लायंसेज लिमिटेड इस सप्ताह सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेंगे। एक एमएसई आईपीओ फंड जुटाने की एक प्रक्रिया है, जो एक छोटे या मध्यम आकार के व्यवसाय को अन्य, बड़ी फर्मों की तरह आईपीओ पेश करने की अनुमति देती है और छोटे व्यवसायों को भी सूचकांकों पर सूचीबद्ध होने के लिए एक मंच देती है। एसएमई आईपीओ लाने के लिए दो आवश्यकताओं को पूरा करना होता हैं। पहली पोस्ट-इश्यू पेड-अप कैपिटल 25 करोड़ रुपये से कम होना चाहिए और दूसरी शर्त पोस्ट-इश्यू कैपिटल कम से कम 1 करोड़ रुपये होना चाहिए। एसएमई आईपीओ के लिए आवेदन दाखिल करने की प्रक्रिया में दलालों या बैंकों, एसबीए या यूपीआई आधारित आईपीओ एप्लिकेशन या दोनों का फॉर्म जमा करना शामिल है। कंपनी ने प्रस्तावित एसएमई आईपीओ के लिए 80 से 82 रुपए प्रति इक्विटी शेयर का प्राइस बैंड तय किया है। आईपीओ के हिस्से के रूप में कुल 22,24,000 नए इक्विटी शेयर जारी किए जाएंगे, साथ ही 3,92,000 इक्विटी शेयर बिक्री के लिए पेश किए जाएंगे। शेयरों को एनएसईएसएमई पर सूचीबद्ध करने की योजना है। सीएफएफ फ्लुइड कंट्रोल लिमिटेड का एसएमई आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए मंगलवार 30 मई को खुलेगा और शुक्रवार, 2 जून को बंद होगा। कंपनी ने प्रस्तावित एसएमई आईपीओ के लिए प्राइस बैंड 165 रुपए प्रति इक्विटी शेयर तय किया है। कुल आईपीओ का आकार 85.80 करोड़ रुपए है और केवल नए शेयर ही जारी किए जाएंगे।

शेयरों को बीएसई एमएसई पर सूचीबद्ध करने की योजना है। आईपीओ कैमियो कॉरपोरेट सर्विसेज लिमिटेड के नाम से रजिस्ट्रर होगा। कॉमरेड एप्लायंसेज लिमिटेड का एसएमई आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए बुधवार, 31 मई को खुलेगा और सोमवार, 5 जून को बंद होगा। कंपनी ने प्रस्तावित एसएमई आईपीओ के लिए प्राइस बैंड 52 से 54 रुपए प्रति इक्विटी शेयर तय किया है। कुल आईपीओ का आकार 12.30 करोड़ रुपए है और केवल नए शेयर जारी किए जाएंगे। शेयरों को एसएमई आईपीओ पर सूचीबद्ध करने की योजना है।

कच्चा तेल स्थिर, पेट्रोल और डीजल की कीमत कुछ शहरों में बदलीं

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमत में रे विवार को बदलाव देखने को नहीं मिल रहा है। डब्ल्यूटीआई क्रूड 72.67 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 76.95 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। कुछ शहरों में पेट्रोल और डीजल की कीमत में बदलाव देखा जा रहा है। गुजरात में पेट्रोल 55 पैसे और डीजल 56 पैसे महंगा हुआ है। हिमाचल में पेट्रोल की कीमत में 68 पैसे और डीजल की कीमत में 60 पैसे का इजाफा है। इसके अलावा झारखंड, कर्नाटक, केरल और पंजाब में भी पेट्रोल और डीजल के दाम में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। उधर पश्चिम बंगाल में पेट्रोल 23 पैसे और डीजल 22 पैसे सस्ता हुआ है। मध्य प्रदेश में भी पेट्रोल 19 और डीजल 17 पैसे नीचे आया है। इसके अलावा ओडिशा में भी ईंधन के दाम गिरे हैं।

दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.74 रुपए और डीजल 94.33 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.67 रुपए और डीजल 89.84 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 96.26 रुपए और डीजल 89.45 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

बुनियादी ढांचा क्षेत्र की 384 परियोजनाओं की लागत 4.66 लाख करोड़ बढ़ी

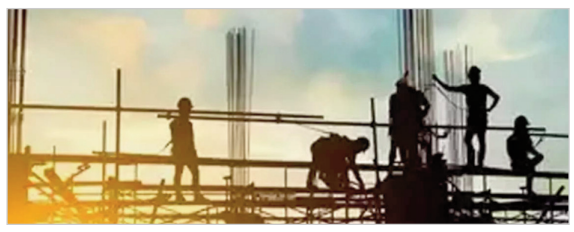

नई दिल्ली ।

बुनियादी ढांचा क्षेत्र की 150 करोड़ रुपए या इससे अधिक के खर्च वाली 384 परियोजनाओं की लागत जनवरी-मार्च तिमाही में तय अनुमान से 4.66 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा बढ़ गई है। एक आधिकारिक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय 150 करोड़ रुपए या इससे अधिक की लागत वाली बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की निगरानी करता है। मंत्रालय की जनवरी-मार्च, 2023 की तिमाही रिपोर्ट में कहा गया है कि इस तरह की 1,566 परियोजनाओं में से 384 की लागत बढ़ गई है, जबकि 931 परियोजनाएं देरी से चल रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार इन 1,566 परियोजनाओं में से 384 की लागत मूल अनुमान से 4,66,874.46 करोड़ रुपए बढ़ी है। हालांकि, रिपोर्ट में कहा गया है कि यदि लागत मंजूरी की मौजूदा सीमा से लिहाज से देखें तो 285 परियोजनाओं की लागत 1,97,069.19 करोड़ रुपए बढ़ी है। वहीं 259 परियोजनाएं ऐसी हैं जिनकी लागत बढ़ी है और जो समय से पीछे भी चल रही हैं। इन 1,566 परियोजनाओं के क्रियान्वयन की लागत 26,29,193.77 करोड़ रुपए है। रिपोर्ट के अनुसार 31 मार्च, 2023 तक इन परियोजनाओं पर 14,71,873.93 करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं, जो कुल अनुमानित लागत का 55.98 प्रतिशत और मूल लागत का 68.06 प्रतिशत है। इन 1,566 परियोजनाओं के लिए 2022-23 में 2,81,251.99 करोड़ रुपए आवंटित किए गए थे। 1,566 परियोजनाओं में से 12 अपने निर्धारित समय से आगे चल रही हैं। 292 परियोजनाएं समय पर चल रही हैं जबकि 931 परियोजनाओं में देरी है। 331 परियाजनाओं के पूरा होने के समय की जानकारी नहीं दी गई है।

विदेशी निवेशकों ने शेयर बाजार से अब तक कुल 37317 करोड़ के शेयर खरीदे

नई दिल्ली ।

विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने भारतीय बाजार में पिछले साल अगस्त के बाद सर्वाधिक निवेश किया है। मई में अब तक इन निवेशकों ने कुल 37,317 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे हैं, जबकि अगस्त में 51,204 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे थे। उसके बाद नवंबर में इन्होंने 36,239 करोड़ रुपए का शेयर खरीदा था। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिट लिमिटेड (एनएसडीएल) के आंकड़ों के मुताबिक, इस साल अब तक एफआईआई ने कुल 22,738 करोड़ रुपये का निवेश किया है। 2022 में इन्होंने 1.21 लाख करोड़ रुपए की निकासी की थी जबकि 2021 में 25,752 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे थे। इस तरह से 2020 के बाद का सालाना आधार पर यह अब तक रिकॉर्ड निवेश है। आंकड़ों के मुताबिक 1 से 15 मई तक के पखवाड़े में जिन सेक्टर में सबसे ज्यादा निवेश किया गया है, उसमें ऑटोमोबाइल एवं उसके कलपुर्जे 4,705 करोड़, वित्तीय सेवा 8,382 करोड़ और तेल एवं गैस 2,319 करोड़ है। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज के मुताबिक, सात उभरते देशों में केवल भारत में मई में एफआईआई का निवेश सकारात्मक रहा है। भारतीय बाजार में एफआईआई के निवेश का मूल्य 46.7 लाख करोड़ रुपए के पार पहुंच गया है। कुल बाजार पूंजीकरण में एफआईआई का हिस्सा 17.2 फीसदी है। भारत में विदेशी निवेशक इसलिए निवेश कर रहे हैं क्योंकि यहां लगातार महंगाई घट रही है। एफआईआई जब भी

सकारात्मक निवेश करते हैं, भारतीय बाजार में इसका असर दिखता है। 2020 और 2021 में एफआईआई के भरोसे बाजार तेजी में रही, लेकिन जब 2022 में एफआईआई ने पैसे निकाले तो बाजार में गिरावट रही। इस साल एफआईआई की वापसी के बाद एक बार फिर भारतीय बाजार 62 हजार के पार पहुंच कर कारोबार कर रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोहली, धोनी और रोहित की तरह खेलेंगे शुभमनः रैना

नई दिल्ली । पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना ने सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल की प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह आने वाले समय में एक बेहतरीन बल्लेबाज बनकर विराट कोहली, महेन्द्र सिंह धोनी और रोहित शर्मा की तरह खेलेंगे। पहले क्वालीफायर में शुभमन ने 129 रनों की शानदार पारी खेली थी। रैना ने इसके साथ ही यह भी कहा कि मुंबई इंडियंस के खिलाफ शुभमन की बॉडी लैंग्वेज और मनोबल काफी उंचे स्तर का था। रैना ने कहा, हमने जो शांति देखी। इतने बड़े मैच में उनकी बॉडी लैंग्वेज बहुत अहम रही है। मैच में बाद में उन्होंने जो छक्के मारे, जिन्हें हम पिक-अप शॉट कहते हैं। उन्होंने कुमार कार्तिकेय को एक छक्का मारा और उसके बाद उन्हें एहसास हुआ कि वह कर सकते हैं। उन्होंने आगे कहा, मुझे उनकी बॉडी लैंग्वेज, उनका आत्मविश्वास पसंद आया। जिससे लगता है कि शुभमन को बड़े मैचों में खेलने की आदत पड़ गई है। इससे तय है कि वह भविष्य में एक बेहतर बल्लेबाज बनकर उभरेंगे।

विराट कोहली की धुंआधार बल्लेबाजी का गवाह बनेगा डब्ल्यूटीसी फाइनल

नई दिल्ली ।

इस बार विराट कोहली की धुंआधार बल्लेबाजी का गवाह डब्ल्यूटीसी का फाइनल मैच बनेगा। इसके लिए विराट जमकर नेट प्रे क्टिस कर रहे हैं। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली आईपीएल से हटते ही टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल को टारगेट कर चुके हैं। ऑस्ट्रेलिया और भारत की टीमें 7 जून को आमने-सामने होंगी। विराट की फॉर्म ऑस्ट्रेलिया के सामने दीवार बन सकती है। हालांक आईपीएल में कोहली के बल्ले की आग देख कंगारू टीम उन्हें टारगेट करना चाहेगी। बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में भी कोहली ने एक पहाड़ जैसी पारी खेल ऑस्ट्रेलिया को विकेट के लिए तरसा दिया था। आईपीएल में कोहली की फॉर्म की बात करें तो इस सीजन वह काफी आक्रामक नजर आए हैं। विराट ने एक के बाद एक फिफ्टी लगाई, उसके आरसीबी के लिए बैक-टू-बैक सेंचुरी लगाकर कई रिकॉर्ड्स ध्वस्त कर दिए। उनके बल्ले से 6 अर्धशतक जबकि 2 ताबड़तोड़ शतकीय पारियां देखने को मिली। हालांकि, कोहली आरसीबी को प्लेऑफ में पहुंचाने में कामयाब नहीं हो सके। लेकिन इसमें कोई शक नहीं कि फाइनल में कोहली की फॉर्म कंगारुओं के लिए मुसीबत बन सकती है।

विराट कोहली ने सोशल मीडिया पर अपनी 2 फोटो शेयर की, जिसमें से एक में कोहली नेट्स में प्रैक्टिस करते नजर आ रहे हैं। बॉर्डर गासवस्कर ट्रॉफी के चौथे मुकाबले में विराट कोहली ने टेस्ट में शतकों का सूखा खत्म किया। उन्होंने इस दौरान 364 गेंद में 15 चौकों की मदद से 186 रन की विशालकाय पारी खेली थी। अब देखना होगा कोहली का बल्ला इंग्लैंड में रन उगलने में कामयाब होता है या नहीं। लंबे प्रारूप में कोहली के बैट से 6 डबल सेंचुरी निकल चुकी हैं। उन्होंने साल 2016 में टेस्ट में 3 दोहरे शतक जमाए थे।

पीएसजी को मिला 11वां खिताब, मेसी ने रोनाल्डो का रिकार्ड तोड़ा

पेरिस ।

पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने फ्रांसीसी फुटबॉल लीग में 11वां खिताब अपने नाम किया है। इस मैच में पीएसजी की ओर से स्टार खिलाड़ी लियोनन मेसी ने एक गोल कर शीर्ष पांच लीग में सबसे ज्यादा गोल करने के क्रिस्टियानो रोनाल्डो के रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया। पीएसजी का मुकाबला स्ट्रासबर्ग के खिलाफ मैच में 1-1 से ड्रॉ रहा। इस जीत से पीएसजी के अब 37 मैचों में सबसे ज्यादा 85 अंक हो गए हैं। वहीं दूसरे नंबर पर रही लेंस के 37 मैचों में 81 अंक हैं और अब केवल एक दौर के मैच होने शेष हैं। मेसी ने इस मैच के 59वें मिनट में अपनी टीम पीएसजी की ओर से एक गोल करके उसे 1-0 की बढ़त दिलायी। वहीं स्ट्रासबर्ग की ओर से स्ट्राइकर केविन गामेरो ने 79वें मिनट में एक गोल दाग कर स्कोर 1-1 से बराबरी पर ला दिया। मेसी ने इस मैच में यूरोप के लीग मैचों में 496वां गोल करने के साथ ही रोनाल्डो के रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया। लेंस ने एक अन्य मैच में अजाशियो को 3-0 से हराकर दूसरा स्थान हासिल किया। इससे उसने अगले सत्र में होने वाली चैंपियंस लीग के लिए भी अपनी जगह पक्की की। पीएसजी ने इस खिताब के साथ ही फ्रांस की सैंट एटीने टीम के 10वां के रिकार्ड को भी पीछे छोड़ दिया।

जूनियर एशिया कप के लिए भारतीय महिला टीम जापान रवाना

बंगलुरू। भारतीय महिला हॉकी टीम जूनियर एशिया कप 2023 के लिए रविवार सुबह केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे से रवाना हो गई। जूनियर एशिया कप एफआईएच जूनियर विश्व कप के लिए क्वालीफाइंग इवेंट है, जो जापान के काकामीगहारा में 2 जून से शुरू होने वाला है। ग्रुप चरण के दौरान पूल ए में भारत का सामना कोरिया, मलेशिया, चीनी ताइपे और उज्बेकिस्तान से होगा जबकि पूल बी में मेजबान जापान, चीन, कजाकिस्तान, हांगकांग चीन और इंडोनेशिया शामिल हैं। वे 3 जून को उज्बेकिस्तान के खिलाफ अपने अभियान की शुरूआत करेंगे और उसके बाद 5 जून को मलेशिया के खिलाफ मैच खेलेंगे। वे 6 जून को कोरिया और 8 जून को चीनी ताइपे से भिड़ेंगे। सेमीफाइनल 10 जून को होगा जबकि फाइनल 11 जून को खेला जाएगा। उपकप्तान दीपिका के साथ कप्तान प्रीति भारत के अभियान की अगुआई करेंगी और टीम में ऐसी खिलाड़ी भी शामिल हैं जिन्हें सीनियर टीम के साथ खेलने का अनुभव है। प्रीति ने कहा, हम अपने अभियान को लेकर बहुत आश्वस्त हैं। हमारे पास एक अच्छी, अनुभवी टीम है। हमने पिछले कुछ महीनों में कड़ी मेहनत की है और टीम जापान में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए काफी उत्साहित है। रवाना होने से पहले उपकप्तान दीपिका ने कहा, हमने एक ही कैंपस में सीनियर टीम साथ प्रशिक्षण लिया है। हमारी टीम भी कुछ समय के लिए एक साथ कैंपस में रही है, इसलिए टीम की अच्छी बॉन्डिंग है और हम अपनी ताकत और कमजोरियों को जानते हैं। उन्होंने आगे कहा, आमतौर पर इस टूनार्मेंट में, भारत ने हमेशा अच्छा प्रदर्शन किया है और हम उसे जारी रखना चाहेंगे। हमारा पहला मकसद ग्रुप चरण में शीर्ष पर रहना है और फिर नॉकआउट चरण में एक बार में एक मैच जीतना है।

जूनियर एशिया कप : भारत-पाक मुकाबला बराबरी पर रहा

सलालाह ।

भारत और पाकिस्तान के बीच जूनियर एशिया कप हॉकी में पूल एक का तीसरा मैच 1-1 से बराबरी पर रहा। इस टूर्नामेंट में अब तक भारतीय टीम एक मैच भी नहीं हारी है। इस मैच में शारदानंद तिवारी ने 24वें मिनट में एक गोल करके भारतीय टीम को बढ़त दिलायी पर ये अधिक देर तक बनी नहीं रह पायी।बशारत अली ने 44वें मिनट में एक गोल कर पाक को बराबरी पर ला दिया। इस मैच के ड्रॉ रहने से भारत के अब तीन मैचों में कुल सात अंक हो गए हैं और वह पूल ए में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। वहीं पाक के भी सात अंक हैं पर वह बेहतर गोल अंतर के कारण पहले स्थान पर है। वहीं जापान तीन मैचों में छह अंक के साथ ही तीसरे स्थान पर है। पाक के खिलाफ मैच में भारतीय टीम ने शुरूआत से ही आक्रामक रुख

अपनाया और इससे उसे पेनल्टी कॉर्नर भी मिले पर वह उन्हें गोल में नहीं बदल पायी। वहीं दूसरी ओर पाक को भी कुछ अवसर मिले पर वह भी गोल करने में नाकाम रही। पहला क्वार्टर गोल रहित छूटने के बाद शारदानंद ने दूसरे क्वार्टर में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर भारत को बढ़त दिला दी। इसके बाद भारतीय टीम ने कई हमले किये पर वह अपने प्रयासों को गोल में नहीं बदल पायी। पाक टीम ने भी गोल करने के कुछ प्रयास किये इसी के तहत ही बशारत ने एक गोल कर स्कोर को 1-1 से बराबरी पर ला दिया। इसके बाद चौथे क्वार्टर में दोनो ही टीमों ने आक्रामक रुख अपनाया पर वह अवसरों को गोल में नहीं बदल पायी।

संक्षिप्त समाचार

ऑरेंज-पर्पल कैप पर गुजरात के खिलाड़ियों को ही मिलेगी

अहमदाबाद । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 16 वें सत्र में सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज और सबसे अधिक विकेट के लिए मिलने वाली पर्पल कैप गुजरात टाइटन्स के खिलाड़ियों को मिलनी तय है। बल्लेबाजी में शुभमन के 851 रन हैं, वहीं सीएसके के बल्लेबाज डेवोन कॉनवे के कुल 625 रन जबकि ऋतुराज गायकवाड़ के कुल 564 रन बनाए हैं। ऐसे में इन दोनों का ही ऑरेंज कैप की दौड़ में शुभमन से आगे निकलना संभव नहीं है। बात अगर पर्पल कैप की रेस में गुजरात के मोहम्मद शमी 28 विकेट के साथ सबसे आगे चल रहे हैं। वहीं गुजरात के ही स्पिनर राशिद खान के खाते में 27 विकेट हैं, जबकि मोहित शर्मा ने 24 विकेट लिए हैं। 21 विकेट के साथ इस सूची में सीएसके के तुषार देशपांडे छठे नंबर पर हैं, जबकि रविंद्र जडेजा 19 विकेट के साथ आठवें पायदान पर हैं। ऐसे में गुजरात के गेंदबाजों को ही शीर्ष पर आना तय है।

जिम्बाब्वे के खिलाफ मैच में गेंद से छेड़छाड़ के लिए विवादों में आई पाक टीम

हरारे । जिम्बाब्वे के खिलाफ अंतिम मैच में गेंद से जमकर छेड़छाड़ करने को लेकर पाकिस्तान क्रिकेट टीम विवादों में घिर गयी है। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी ने जिम्बाब्वे के खिलाफ अंतिम मैच में जमकर गेंद से छेड़छाड़ की जिसके कारण मेजबान टीम को 5 रन पेनेल्टी के तौर पर दिए गए। इस घटना ने सभी का ध्यान खींचा है। यह घटना मैच के 34वें ओवर की है उस समय गेंदबाजी आमेर जमाल कर रहे थे, ओवर की अंतिम गेंद पर अंपायर ने गेंद से छेड़छाड़ के कारण पाक पर 5 रन की पेनेल्टी लगाई। अब इस मामले में आगे की कार्रवाई मैच रैफरी करेंगे। इस मैच में पाक गेंदबाज शाहीन ने जिम्बाब्वे के खिलाफ टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया था। जिम्बाब्वे ने एर्विन की 195 रनों की तेज पारी के बल पर 385 रन लगाए दिए। एर्विन ने अपनी पारी में 148 गेंदों पर 22 चौके और 6 छक्के लगाए थे। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए पाक टीम 353 रनों पर ही सिमट गई और उसे 32 रनों से हार का सामना करना पड़ा। पाक की ओर से मुबासिर ने शतक लगाया पर वह अपनी टीम को हार से नहीं बचा पाये।

यशस्वी डब्ल्यूटीसी मुकाबले के लिए ऋतुराज की जगह शामिल किये गये

मुम्बई ।

आईपीएल के इस 16 वें सत्र में अपने शानदार प्रदर्शन से सभी का ध्यान खींचने वाले राजस्थान रॉयल्स के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को अगले माह जून में होने वाले विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) मुकाबले के लिए भारतीय टीम में जगह मिल गयी है। बीसीसीआई ने डब्ल्यूटीसी के लिए भारतीय दल के साथ ही स्टैंडबाय खिलाड़ियों की सूची भी जारी की थी। उसी में शामिल स्टैंडबाय खिलाड़ी ऋतुराज गायकवाड़ अगले महीने की शुरुआत में अपनी शादी के कारण इस खिताबी मुकाबले में शामिल नहीं होंगे। ऐसे में उनकी जगह पर यशस्वी जायसवाल को शामिल किया गया है। एक रिपोर्ट के अनुसार इसी कारण बीसीसीआई ने यशस्वी को लाल गेंद से अभ्यास के लिए भी कहा है। यशस्वी के पास उनके पास पहले से ही इंग्लैंड का वीजा है, इसलिए वे कुछ दिनों में लंदन रवाना होंगे।इस युवा बल्लेबाज ने आईपीएल के इस सत्र में रॉयल्स की ओर से 14 मैचों में 625 रन बनाए जबकि रणजी ट्रॉफी में उन्होंने पांच मैचों में 404 रन बनाए थे।बीसीसीआई ने शुरू में ऋतुराज को डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए स्टैंड-बाय ओपनर के रूप में चुना था पर अब ऋतुराज ने । बीसीसीआई को बताया है कि वह 5 जून के बाद टीम में शामिल हो सकते हैं पर कोच राहुल द्रविड़ ने एक विकल्प की मांग की जिसके बाद यशस्वी को जगह मिली।

बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा कि यशस्वी भारतीय टीम में शामिल होंगे क्योंकि गायकवाड़ ने हमें सूचित किया है कि वह अपनी शादी के कारण इंग्लैंड नहीं जा पाएंगे। वह 5 जून के बाद टीम में शामिल हो सकेंगे। ऐसे में द्रविड़ ने चयनकर्ताओं से एक विकल्प चुनने के लिए कहा। इसलिए यशस्वी अब जल्द ही लंदन के लिए उड़ान भरेंगे।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने ऑस्ट्रेलिया ए को हराया

एडिलेड ।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने ऑस्ट्रेलिया दौरे के पांचवें और अंतिम मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रेलिया 'ए को 2-1 की हरा दिया। भारत की ओर से नवनीत कौर ने 10वें और दीप ग्रेस एक्का ने 25वें मिनट में गोल किये। वहीं दूसरी ओर ऑस्ट्रेलिया 'ए की ओर से एकमात्र गोल एबिगेल विल्सन ने 22 वें मिनट में दागा। ऑस्ट्रेलिया 'ए ने इस मैच में आक्रामक रुख अपनाने हुए शुरुआत में गेंद पर नियंत्रण बनाये रखा। भारतीय टीम की ओर से रक्षापंक्ति में गुरजीत कौर की अहम भूमिका रही। भारत ने शुरुआत में ही ऑस्ट्रेलिया ए की रक्षापंक्ति पर दबाव बनाये रखा। इसका लाभ भी भारतीय टीम को मिला और नवनीत कौर ने रिवर्स हिट के साथ पहला गोल कर भारतीय टीम को आगे कर दिया। वहीं इसके बाद भारतीय टीम ने दूसरे क्वार्टर की शुरुआत में ही तेजी दिखायी। इस दौरान ऑस्ट्रेलिया 'ए ने तेजी से हमले शुरु कर दिये। ऑस्ट्रेलिया'ए को दूसरे क्वार्टर के बीच में ही पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला। एबिगेल ने जोरदार ड्रैगफ्लिक के साथ इस पेनल्टी को गोल में बदलकर स्कोर 1-1 से बराबरी पर ला दिया। इसके कुछ देर बाद ही भारत के दीप ग्रेस एक्का ने पेनल्टी कार्नर पर अपनी ड्रैगफ्लिक से एक ओर गोल दागकर भारतीय टीम को आगे कर दिया। वहीं वंदना कटारिया ने हाफ टाइम के बाद बायीं ओर से आक्रमण करते हुए भारत को एक और पेनल्टी कार्नर दिलाया। इस बार ऑस्ट्रेलिया 'ए की टीम ने अच्छा बचाव किया। इसके बाद चौथे क्वार्टर में भी ऑस्ट्रेलिया 'ए दबाव में रही। भारतीय टीम ने मैच के अंतिम क्षणों में एक पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया पर वह उसे गोल में नहीं बदल पायी। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया ए ने भी काफी प्रयास किये पर वह नाकाम रही।

मूडी बोले, धोनी हैं सबसे बेहतर टी20 कप्तान

मुम्बई। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर टॉम मूडी ने कहा है कि आईपीएल के 16 वें सत्र से एक बार फिर ये साबित हुआ है कि चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) टीम के कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी सबसे अच्छे टी20 कप्तान हैं। मूडी ने कहा, मेरे विचार से धोनी सबसे अच्छे टी20 कप्तान हैं, जिन्हें हमने कभी देखा है। उन्होंने इसका उदाहरण इस साल दिखाया है। वहीं अगर आप टेस्ट क्रिकेट की बात कर रहे हैं, तो मैं धोनी को उस श्रेणी में नहीं रखूंगा। धोनी की ही कप्तानी में सीएसके ने दसवी बार आईपीएल फाइनल में जगह बनायी। उनकी कप्तानी में ही टीम ने इससे पहले चार खिताब भी जीते हैं। साथ ही कहा कि सीएसके ने उनकी कुशल कप्तानी के कारण ही कमजोर गेंदबाजी के बाद भी अपना सफर आगे बढ़ाया पर जहां तक टेस्ट क्रिकेट का सवाल है मूडी धोनी को उतना सफल कप्तान नहीं मानते।

सहवाग ने आईपीएल सत्र के शीर्ष पांच बल्लेबाजों में यशस्वी , रिंकू जैसे युवाओं को शामिल किया

नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने कहा है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस सत्र में अनुभवी के साथ ही युवा क्रिकेटरों ने ही शानदार पारियां खेली हैं। साथ ही कहा कि आईपीएल के इस 16 वें सत्र के नायक युवा बल्लेबाज यशस्वी जायस्वाल और रिंकू सिंह जैसे खिलाड़ी हैं। सहवाग ने पांच ऐसे खिलाड़ी चुने है, जिनको वह इस सत्र का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज मानते हैं। सहवाग ने अपनी इस सूची में फाफ डु प्लेसी और विराट कोहली जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को भी शामिल नहीं किया है। उनका मानना है कि शुरुआती बल्लेबाजों को रन बनाने के काफी अवसर मिलते हैं, इसलिए उन्होंने अपनी इस सूची में एक ही सलामी बल्लेबाज को जगह दी है। सहवाग ने इस सत्र के अपने शीर्ष-पांच सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज चुने हैं। उन्होंने रिंकू , शिवम, जायसवाल, सूर्युकुमार और क्लासेन को इस सत्र का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज चुना है। सहवाग ने कहा, मेरे पांच पांडव, क्रिकेट के पांडव। इस सत्र के आईपीएल के मेरे पसंदीदा पांच बल्लेबाजों में मैं ज्यादा सलामी बल्लेबाजों को नहीं चुन रहा हूँ, क्योंकि उनको पारी की शुरुआत करते हुए रन बनने के बहुत से अवसर मिलते है। मेरे ध्यान में पहला नाम रिंकू सिंह का आता है। आपके ध्यान में ऐसा खिलाड़ी नहीं आएगा, जिसने लगातार पाँच छक्के लगाकर अपनी टीम को जीत दिलाई हो। एकमात्र बल्लेबाज रिंकू ने ऐसा किया है। वहीं दूसरे नंबर पर मध्य क्रम के बल्लेबाज शिवम दुबे है। सहवाग ने साथ ही कहा , इसमें तीसरे बल्लेबाज के तौर पर एक सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को जगह दी है। इसके बाद सूर्युकुमार यादव का नाम आत है। वहीं पांचवें नंबर पर हेनरिक क्लासेन हैं। रिंकू ने 14 मैच, 474 रन बनाय हैं और उनका औसत 59.25, स्ट्राइक रेट 149.53 रहा है। यशस्वी जायसवाल ने 14 मैच, 625 रन बनाये हैं और उनका औसत 48.08, स्ट्राइक रेट 163.61 रन रहा है। शिवम दुबे ने 15 मैच, 386 रन बनाये हैं और उनका औसत 35.09, स्ट्राइक रेट 158.05 रन रहा है। सूर्यकुमार

यादव के 16 मैच में 605 रन के साथ ही औसत 43.21 और स्ट्राइक रेट 181.14 रहा है। हेनरिक क्लासेन के 12 मैच में 448 रन और उनका औसत 49.78 व स्ट्राइक रेट 177.08 रन है।

डरबन में महिलाओं के आईटीटीएफ टेबल टेनिस विश्वकप के अवार्ड समारोह में पोज देती हुई रजत विजेता जियोन जिही और शिन यूबिन।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

निर्जला एकादशी व्रत

एकादशी दो तरह की होती है. विद्धा एकादशी और शुद्धा एकादशी. सूर्योदयकाल में यदि दशमी तिथि का वेध हो या अरुणोदयकाल में एकादशी में दशमी का वेध हो तब यह एकादशी विद्धा कहलाती है।

यदि अरुणोदयकाल में दशमी के वेध से रहित एकादशी हो तब उसे शुद्धा एकादशी माना जाता है. प्रायः सभी शास्त्रों में दशमी से युक्त एकादशी व्रत करने का निषेध माना गया है. यदि शुद्धा एकादशी दो घड़ी तक भी हो और वह द्वादशी तिथि से युक्त हो तब उसे ही व्रत के लिए ग्रहण करना चाहिए.

इस वर्ष 2023 में निर्जला एकादशी का व्रत 31 मई को रखा जाएगा. ज्येष्ठ मास की शुक्ल पक्ष की निर्जला एकादशी को भीमसेनी एकादशी के नाम से भी जाना जाता है. ऋषि वेदव्यास जी के अनुसार इस एकादशी को भीमसेन ने धारण किया था. इसी वजह से इस एकादशी का नाम भीमसेनी एकादशी पडा. इस एकादशी के दिन व्रत व उपवास करने का विधान भी है. इस व्रत को करने से व्यक्ति को दीर्घायु तथा मोक्ष की प्राप्ति होती है. निर्जला अर्थात जल के बिना रहना इसकारण इसे निर्जला एकादशी कहा जाता है यह एक कठिन व्रत होता है. इस व्रत को निर्जल रखा जाता है अर्थात इस व्रत में जल का सेवन भी नहीं किया जाता .

इस एकादशी को करने से वर्ष की 24 एकादशियों के व्रत के समान फल मिलता है. यह व्रत करने के पश्चात द्वादशी तिथि में ब्रह्म बेला में उठकर स्नान,दान तथा ब्राह्मण को भोजन कराना चाहिए. इस दिन 'ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय' मंत्र का जाप करके गौदान, वस्त्रदान, छत्र, फल आदि दान करना चाहिए.

निर्जला एकादशी पूजा

निर्जला एकादशी का व्रत करने के लिये दशमी तिथि से ही व्रत के नियमों का पालन आरंभ हो जाता है. इस एकादशी में 卐ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय卐 मंत्र का उच्चारण करना चाहिए. इस दिन गौ दान करने का भी विशेष महत्व होता है. इस दिन व्रत करने के अतिरिक्त जप, तप गंगा स्नान आदि कार्य करना शुभ रहता है.

इस व्रत में सबसे पहले श्री विष्णु जी की पूजा कि जाती है तथा व्रत कथा को सुना जाता है. पूजा पाठ के पश्चात सामर्थ अनुसार ब्राह्मणों को दक्षिणा, मिष्ठान आदि देना चाहिए संभव हो सके तो व्रत की रात्रि में जागरण करना चाहिए.

निर्जला एकादशी व्रत कथा

निर्जला एकादशी व्रत की कथा इस प्रकार है - महाभारत काल में भीमसेन ने व्यास जी से कहा की हे भगवान, युधिष्ठर, अर्जुन, नकुल, सहदेव, कुन्ती तथा द्रौपदी सभी एकादशी के दिन व्रत किया करते हैं परंतु मैं भूख बर्दाश्त नहीं कर सकता. मैं दान देकर वासुदेव भगवान की अर्चना करके प्रसन्न कर सकता हूं. मैं बिना काया कलेश की ही फल प्राप्त करना चाहता हूं अतः आप कृपा करके मेरी सहायता करें.

इस पर वेद व्याद जी भीमसेन से कहते हैं कि हे भीम अगर तुम स्वर्गलोक जाना चाहते हो, तो दोनों एकादशियों का व्रत बिना भोजन ग्रहण किए करो क्योंकि ज्येष्ठ मास की एकादशी का निर्जल व्रत करना विशेष शुभ कहा गया है. इस व्रत में आचमन में जल ग्रहण कर सकते है. अन्नाहार करने से व्रत खंडित हो जाता है. व्यास जी की आज्ञा अनुसार भीमसेन ने यह व्रत किया और वे पाप मुक्त हो गये.

निर्जला एकादशी व्रत का महत्व

मिथुन संक्रान्ति के मध्य ज्येष्ठ मास की शुक्लपक्ष की एकादशी को निर्जल व्रत किया जाता है. सूर्योदय से व्रत का अरंभ हो जाता है. इसके अतिरिक्त द्वादशी के दिन सूर्योदय से पहले ही उठना चाहिए. इस एकादशी का व्रत करना सभी तीर्थों में स्नान करने के समान है. निर्जला एकादशी का व्रत करने से मनुष्य सभी पापों से मुक्ति पाता है. जो मनुष्य निर्जला एकादशी का व्रत करता है उनको मृत्यु के समय मानसिक और शारीरिक कष्ट नही होता है. यह एकादशी पांडव एकादशी के नाम से भी जानी जाती है. इस व्रत को करने के बाद जो व्यक्ति स्नान, तप और दान करता है, उसे करोडों गायों को दान करने के समान फल प्राप्त होता है.

महापुण्यकारी पर्व है गंगा दशहरा

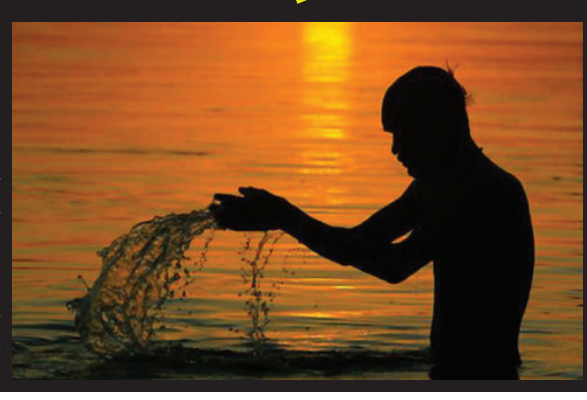

मोक्षदायिनी गंगा का करें पूजन

पुराणों के अनुसार गंगा दशहरा के दिन गंगा स्नान का विशेष महत्व है। इस दिन स्वर्ग से गंगा का धरती पर अवतरण हुआ था, इसलिए यह महापुण्यकारी पर्व माना जाता है। गंगा दशहरा के दिन सभी गंगा मंदिरों में भगवान शिव का अभिषेक किया जाता है। वहीं इस दिन मोक्षदायिनी गंगा का पूजन-अर्चना भी किया जाता है।

क्या हैं दान-पुण्य का महत्वः

गंगा दशहरा के दिन दान-पुण्य का विशेष महत्व है। इस दिन लोग पूजा-अर्चना करने के साथ ही दान-पुण्य करते हैं। कई लोग तो स्नान करने के लिए हरिद्वार जैसे पवित्र नदी में स्नान करने जाते हैं। इस दिन दान में सातू, मटका और हाथ का पंखा दान करने से दुगुना फल प्राप्त होता है।

गंगा दशहरा के दिन किसी भी नदी में स्नान करके दान और तर्पण करने से मनुष्य जाने-अनजाने में किए गए कम से कम दस पापों से मुक्त होता है। इन दस पापों के हरण होने से ही इस तिथि का नाम गंगा दशहरा पड़ा है।

क्यों और कैसे करें गंगा दशहरा व्रत :

* गंगा दशहरा का व्रत भगवान विष्णु को खुश करने के लिए किया जाता है।
* इस दिन भगवान विष्णु की पूजा-अर्चना की जाती है।
* इस दिन लोग व्रत करके पानी भी (जल का त्याग करके) छोड़कर इस व्रत को करते हैं।
* ग्यारस (एकादशी) की कथा सुनते हैं और अगले दिन लोग दान-पुण्य करते हैं।
* इस दिन जल का घट दान करके फिर जल पीकर अपना व्रत पूर्ण करते हैं।
* इस दिन दान में केला, नारियल, अनार, सुपारी, खरबूजा, आम, जल भरी सुराई, हाथ का पंखा आदि चीजें भक्त दान करते हैं।

भगवान शिव की महेश नवमी

महेश के बोध चिह्नों का करें अनुसरण

माहेश्वरी समाज की उत्पत्ति भगवान शिव के वरदान स्वरूप मानी गई है। उत्पत्ति दिवस ज्येष्ठ शुल नवमी है, जो महेश नवमी के रूप में मनाई जाती है। महेश स्वरूप में आराध्य भगवान शिव पृथ्वी से भी ऊपर कोमल कमल पुष्प पर बेलपत्ती, त्रिपुंड, त्रिशूल, डमरू के साथ लिंग रूप में शोभायमान होते हैं। भगवान शिव के इस बोध चिह्न के प्रत्येक प्रतीक का अपना महत्व है।

पृथ्वी- पृथ्वी गोल परिधि में है परंतु भगवान महेश ऊपर हैं अर्थात पृथ्वी की परिधि भी जिन्हें नहीं बाँध सकती वह एक लिंग भगवान महेश संपूर्ण ब्रह्मांड में सबसे ऊपर हैं।

त्रिपुंड- इसमें तीन आड़ी रेखाएँ हैं, जो कि संपूर्ण ब्रह्मांड को समाए हुए हैं। एक खड़ी रेखा यानी भगवान शिव का ही तीसरा नेत्र, जो कि दुष्टों के दमन हेतु खुलता है। यह त्रिपुंड भस्म से ही लगाया जाता है जो कि देवाधिदेव हादेव की वैराग्य वृाि के साथ ही त्यागवृत्ति की ओर इंगित करता है तथा हमें आदेश देता है कि हम भी अपने जीवन में हमेशा त्याग व वैराग्य की भावना को समाहित कर समाज व देश का उत्थान करें।

त्रिशूल- विविध तापों को नष्ट करने वाला एवं दुष्ट प्रवृत्ति का दमन कर सर्वत्र शांति की स्थापना करता है।

डमरू- स्वर, संगीत की शिक्षा देकर कहता है उठो, जागो और जनमानस को जागृत कर समाज व देश की समस्याओं को दूर करो, परिवर्तन का डंका बजाओ।

कमल- जिसमें नौ पंखुड़ियाँ हैं, जो कि नौ दुर्गाओं का द्योतक है। नवमी ही हमारा उत्पाि दिवस है। कमल ही ऐसा पुष्प है जिसे भगवान विष्णु ने अपनी नाभि से अंकुरित कर ब्रह्माजी की उत्पाि की। महालक्ष्मी कमल पर ही विराजमान हैं व दोनों हाथ में कमल पुष्प लिए हैं। ज्ञान की देवी सरस्वतीजी भी श्वेत कमल पर विराजमान हैं। इतना ही नहीं कमल कीचड़ में खिलता है, जल में रहता है, परंतु किसी में भी लिप्त नहीं। अतः यही भाव हमारे समाज का होना चाहिए। काम करेंगे-करते रहेंगे, न कोई फल की इच्छा, न कोई पद की चाह, न कोई मान-समान। बस हम भी कमल की तरह खिलते रहें, मंगल करते रहें। कमल की बीच की पंखुड़ी पर अंकित है । अखिल ब्रह्मांड का द्योतक, सभी मंगल मंत्रों का मूलाधार, परमात्मा के अनेक रूपों का समावेश किए सगुण-निर्गुणाकार एकाक्षर ब्रह्म आदि से सारे ग्रंथ भरे पड़े हैं। हमारा समाज आस्तिक एवं प्रभु पर विश्वास एवं श्रद्धा रखने वाला है। अतः ईश्वरीय श्रद्धा का प्रतीक है।

बेलपत्ती- त्रिदलीय बेल पत्र हमारे स्वास्थ्य का द्योतक है। भगवान महेश के चरणों में अर्पित है श्रद्धा युक्त बेलपत्र, जो कि शिव को परमप्रिय है।

सेवा- समाज का बहुत बड़ा ऋण हमारे ऊपर रहता है। अतः ये नहीं सोचें कि समाज ने हमें या दिया वरन समाज को हम या दे रहे हैं। यही सेवा भाव होना चाहिए। जैसे माता पुत्र की सेवा करती है, परंतु बदले में कुछ नहीं चाहती। सेवा में अनेक समस्याएँ आती हैं, जिन्हें हम सुलझा सकते हैं।

त्याग- त्याग की महिमा से तो हिन्दुओं के ही नहीं संसार के समस्त धर्मों के शास्त्र भरे पड़े हैं। हमारे पूर्वज सादगीपूर्ण जीवन अपनाकर बची पूँजी समाजोपयोगी कार्य में लगाकर स्वयं को धन्य मानते थे।

सदाचार- मानव जीवन में सदाचार का बहुत ऊँचा स्थान है। जिस व्यक्ति में, परिवार में, समाज में चरित्रहीनता, व्यसनाधीनता, अनैतिकता, गुंडागर्दी, भ्रष्टाचार आदि बड़े पैमाने पर व्याप्त हों तो उस समाज की उन्नति नहीं हो सकती और जब समाज प्रगति नहीं करता तो उस देश की प्रगति नहीं होती। अत. व्यक्ति का सदाचारी होना आवश्यक है।

सेवा, त्याग, सदाचार युक्त यह बोध चिह्न सिर्फ बोध चिह्न नहीं अपितु समाज को गौरवान्वित करके जीवन में एक नई शक्ति का द्योतक है। अतः इस बहुउद्देशीय बोध चिह्न को हम अपने जीवन में भी स्वीकार करें व समाज एवं राष्ट हित के लिए अपने को समर्पित करें।

भगवान शिव की पूजा में क्यों वर्जित है शंख का प्रयोग

हिन्दू धर्म को विश्व के सभी धर्मों में सबसे पुराना और वेदों पर आधारित धर्म माना जाता है, यह अपने गर्भ में विभिन्न देवी देवताओं की उपासनाओं, मतों, धार्मिक पंथों, और दर्शनों को समेटे हुए है । हिन्दु धर्म के लोग अपनी-अपनी आस्था के अनुसार अपने इष्ट देव को मानते हैं । हिन्दू धर्म की मान्यताओं के अनुसार पांच प्रमुख देवता हैं विष्णु, गणेश, सूर्य, शिव और शक्ति । जो शक्तियों के अलग-अलग रूप हैं। हिन्दू धर्म के इन प्रमुख देवताओं में से भगवान शिव को देवों के देव महादेव कहा जाता हैं । भगवान शिव के 108 नाम हैं ।

भगवान शिव को सभी विद्याओं का जनक भी माना जाता है। वे तंत्र से लेकर मंत्र तक और योग से लेकर समाधि तक प्रत्येक क्षेत्र के आदि और अंत हैं। यही नहीं वे संगीत के आदि सृजनकर्ता भी हैं, और नटराज के रुप में कलाकारों के आराध्य भी हैं । कोई भी प्रार्थना, पूजा पाठ, आराधना, मंत्र, स्तोत्र और स्तुतियों का फल तभी प्राप्त होता है जब आराधना विधि-विधान और शास्त्रोक्त तरीकों से की जाए । शिव उपासना में शंख का प्रयोग वर्जित माना गया है। पुरातन कथाओं के अनुसार भगवान शिव की पूजा में शंख का प्रयोग नहीं होता । इन्हें शंख से न तो जल अर्पित किया जाता है और न ही शंख बजाया जाता है ।

पुरातन कथा के अनुसार एक समय श्री राधा रानी गोलोक धाम से कहीं बाहर गई हुई थी । भगवान श्री कृष्ण अपनी सखी विरजा के साथ विहार कर रहे थे । संयोगवश उसी समय श्री राधा रानी वहां आ गई । सखी विरजा को अपने प्राण प्रिय श्री कृष्ण के साथ देख कर श्री राधा रानी को बहुत क्रोध आया । क्रोध में उन्होंने कुछ ऐसे शब्दों का प्रयोग किया जिससे विरजा को बहुत लज्जा महसूस हुई । लज्जावश विरजा ने नदी का रूप धारण कर लिया और वह नदी बनकर बहने लगी । श्री राधा रानी के क्रोध भरे शब्दों को सुन कर भगवान श्री कृष्ण के मित्र सुदामा को बहुत बुरा लगा उन्होंने श्री राधा रानी से ऊंचे स्वर में बात की। जिससे क्रोधित श्री राधा रानी ने सुदामा को दानव बनने का श्राप दे दिया ।

आवेश में आए सुदामा ने भी हित-अहित का विचार किए बिना श्री राधा रानी को मनुष्य योनि में जन्म लेने का श्राप दे दिया । श्री राधा रानी के श्राप से सुदामा शंखचूर नाम का दानव बना । दंभ के पुत्र शंखचूर का वर्णन शिवपुराण में भी मिलता है। यह अपने बल के अवेशष में तीनों लोकों का स्वामी बन बैठा और साथ ही सभी साधु-संतों को सताने लगा । साधु-संतों की रक्षा के लिए भगवान शिव ने शंखचूर का वध कर दिया । शंखचूर श्री विष्णु और देवी लक्ष्मी का परम प्रिय भक्त था । भगवान विष्णु ने इसकी हड्डियों से शंख का निर्माण किया इसलिए विष्णु एवं अन्य देवी देवताओं को शंख से जल अर्पित किया जाता है ।

भगवान विष्णु को शंख इतना प्रिय है कि शंख से जल अर्पित करने पर भगवान विष्णु अति प्रसन्न हो जाते हैं लेकिन भगवान शिव की पूजा में शंख का न तो प्रयोग होता है और न ही जल दिया जाता है और न भगवान शिव की पूजा में शंख बजाया जाता है क्योंकि भगवान शिव ने शंखचूर का वध किया था इसलिए शंख भगवान शिव की पूजा में वर्जित माना गया है ।

सत्येंद्र जैन से अस्पताल मिलने पहुंचे सीएम अरविंद केजरीवाल, खुशी से लगाया गले

नई दिल्ली। दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद सत्येंद्र जैन गुरुवार सुबह बाथरूम में चक्कर खाकर गिर गए। उन्हें इलाज के लिए दिल्ली के लोकनायक अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया था, जहां उनकी

हालत स्थिर है। अब अस्पताल में अपने पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन से मिलने पहुंचे हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सत्येंद्र जैन से अपनी मुलाकात की तस्वीरें ट्विटर हैंडल पर शेयर की है, जिनमें वह उनके मिलकर खुशी से गले लगाते हुए दिख रहे हैं और उनका हालचाल जाते हुए दिख रहे हैं। अपनी मुलाकात की इन तस्वीरों को ट्विटर पर साझा कर केजरीवाल में जैन को बहादुर व्यक्ति बताया है।

बाथरूम में फिसल गए थे जैन

मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में तिहाड़ जेल में बंद सत्येंद्र जैन को सामान्य कमजोरी महसूस होने के बाद बृहस्पतिवार को जेल के अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां बाथरूम में वे फिसलकर गिर गए। इसके बाद उन्हें दीनदयाल उपाध्याय अस्पताल ले जाया गया, लेकिन सांस लेने में तकलीफ और एमआरआइ कराने के लिए उन्हें बाद में एलएन में भर्ती करा दिया गया। दो दिन से वे आइसीयू में हैं। ल्रेखनीय है कि 22 मई को तबीयत बिगड़ने पर जैन को सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया था।

साक्षी मलिक ने महिला पुलिसकर्मी को मारी लात, बेहोश कर्मी को उपचार के लिए अस्पताल में कराया भर्ती

नई दिल्ली। दिल्ली के जंतर-मंतर पर WFI के अध्यक्ष बृजभूषण शरण पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए धरने पर बैठ पहलवानों ने आज नए संसद भवन की ओर मार्च करने का आह्वान करते हुए महिला सम्मान महापंचायत का ऐलान किया था। जिसको रोकने के लिए दिल्ली पुलिस ने खास बंदोबस्त किए थे।

साक्षी की लात लगने चोटिल हुई महिला पुलिसकर्मी- वहीं, पहलवानों ने अपने समर्थकों के साथ नए संसद भवन की ओर मार्च शुरू किया तभी पुलिस कर्मियों ने उन्हें हिरासत में ले लिया। अब जानकारी आ रही है कि महिला पहलवान साक्षी मलिक को हिरासत में लेते वक्त हाथापाई के दौरान पहलवान ने एक महिला पुलिस कर्मी के पेट में लात मार दी, जिससे वह चोटिल हो गई और पुलिसकर्मी बेहोश हो गई।बताया जा रहा है कि लात लगने के बाद महिला पुलिसकर्मी को उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

अनजान नंबर से वीडियो कॉल उठाना पड़ा बुजुर्ग को महंगा, बैंक खाते से उड़ाए 1.87 लाख रुपये

नई दिल्ली। आपके पास अनजान नंबर से वीडियो कॉल आता है तो उसे कतई न उठाए, क्योंकि वीडियो कॉल पर बात कर आप हो सकते हैं जालसाजों का शिकार।द्वारका इलाके में एक लड़की ने एक बुजुर्ग को वीडियो कॉल किया और अश्लील हरकत करने के बाद वीडियो को वायरल कर देने की धमकी देकर पैसे की मांग करने लगी। उसकी बातों को अनसुना करने पर बुजुर्ग के पास पुलिसकर्मियों का फोन आने लगा। बुजुर्ग को लड़की का सुसाइड नोट भेजा गया, जिससे बुजुर्ग सहम गए और वीडियो को वायरल होने से बचाने के लिए पौने दो लाख रुपये गंवा बैठे। पीड़ित की शिकायत पर द्वारका साइबर सेल ने मामला दर्ज छानबीन शुरू कर दी है। सरकारी नौकरी से सेवानिवृत 67 वर्षीय पीड़ित अपने परिवार के साथ नजफगढ़ इलाके में रहते हैं। साइबर सेल को दी शिकायत में उन्होंने बताया कि पिछले साल 25 अगस्त को उनके पास एक लड़की का वीडियो कॉल आया। कॉल उठाने के बाद पीड़ित ने महिला को कहा कि उन्होंने उन्हें पहचाना नहीं और तुरंत कॉल को काट दिया। उसी रात फिर से उनके पास वीडियो कॉल आया। जिसको उठाते ही पीड़ित ने कहा कि वह उसे नहीं जानते। यह सुनकर लड़की ने कहा कि वह कॉल को काटें नहीं बल्कि वह जो कुछ दिखा रही है उसे देख लें।लड़की ने उन्हें कुछ अश्लील फोटो दिखाए, फिर उन्हें अपना चेहरा दिखाने के लिए कहा। उसके बाद उसने फोन को काट दिया। कुछ देर बाद उसी नंबर से बुजुर्ग के पास मैसेज आया। जिसमें उनके अश्लील फोटो और वीडियो को वायरल करने की धमकी दी गई थी और उनसे 50 हजार रुपये बैंक खाते में डालने को कहा गया था। अगले दिन उनके पास गौरव नामक व्यक्ति ने वीडियो कॉल किया। उसने खुद को रोहिणी साइबर सेल का निरीक्षक बताया।

आरजेडी ने संसद भवन के साथ शेयर की ताबूत की फोटो, बीजेपी बोली- 2024 में जनता इसी में गाड़ देगी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को नई संसद का उद्घाटन किया है. वहीं इस समारोह का कई विपक्षी दलों ने बहिष्कार किया है. इन दलों की मांग थी कि नए संसद भवन का उद्घाटन राष्ट्रपति से करवाया जाए. वहीं इन विपक्षी दलों की तरफ से प्रतिक्रिया आनी शुरू हो गई है. इस दौरान सौरभ भारद्वाज ने ट्वीट कर लिखा कि शहंशाह ने सविधान को दफना दिया है तो आरजेडी ने संसद को ताबूत बताया. वहीं किसी ने इसे देश का कलंक बताया.

बता दें कि आरजेडी के ट्वीटर हैंडल से नए संसद भवन के उद्घाटन के बाद एक ट्वीट किया गया. इसमें एक तरफ संसद भवन की फोटो थी तो दूसरी तरफ ताबूत की फोटो. वहीं लिखा कि ये क्या है... इस ट्वीट को लेकर भाजपा आरजेडी पर हमलावर है.

नए संसद में आने का मौका नहीं मिलेगा

भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने आरजेडी के ट्वीट पर पलटवार करते हुए कहा कि 2024 में देश की जनता आपको इसी ताबूत में बंद करके गाढ़ देगी. वहीं नए लोकतंत्र के मंदिर में आपको आने का मौका भी नहीं मिलेगा. उन्होंने आगे लिखा कि

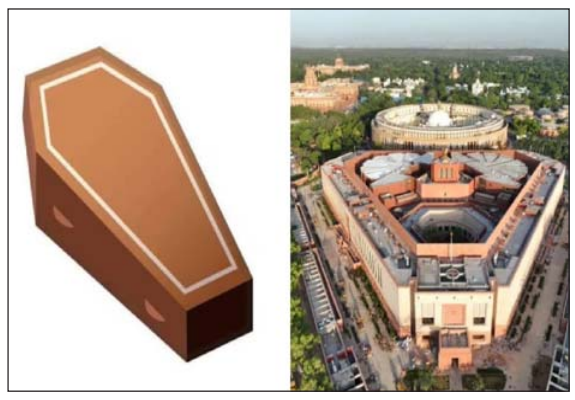

आज एक ऐतिहासिक पल है और देश गौरवान्वित है. आप नजरबट्टू हैं और कुछ नहीं. आप अपनी छाती पीटते रहिये.

2024 में देश की जनता आपको इसी ताबूत में बंद करके गाढ़ देगी और नए लोकतंत्र के मंदिर में आपको आने का मौका भी नहीं देगी. चलिये यह भी तय हुआ संसद देश का ताबूत आपका

ताबूत में आखिरी कील

वहीं बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि यह ट्वीट आरजेडी की राजनीति के ताबूत में आखिरी कील साबित होगा. पूनावाला ने ट्वीट कर लिखा कि वे इस घिनौने स्तर तक गिर गए हैं. यह आरजेडी की राजनीति के ताबूत में आखिरी कील साबित होगा. भारतीय प्रणाली में त्रिकोण या त्रिभुज का बहुत महत्व है. वैसे ताबूत हेक्सागोनल या 6 भुजाओं वाला बहुभुज है.

आरजेडी ने दी सफाई

वहीं भाजपा को लगातार हमलावर होता देख आरजेडी नेता शक्ति सिंह यादव ने सफाई देते हुए कहा कि हमारे ट्वीट में ताबूत लोकतंत्र को दफन किए जाने का प्रतिनिधित्व कर रहा है. देश इसे स्वीकार नहीं करेगा. संसद लोकतंत्र का मंदिर है और यह चर्चा करने की जगह है.

संसद भवन के उद्घाटन पर सौरभ का तंज, बोले- शहंशाह ने संविधान को दफनाया

नई दिल्ली। दिल्ली में आज यानी रविवार को पीएम मोदी ने नए संसद भवन का उद्घाटन किया. वहीं संसद भवन का उद्घाटन पीएम मोदी द्वारा होने पर विपक्ष के लोग हमलावर हैं. इस दौरान आप सरकार में मंत्री सौरभ भारद्वाज ने ट्वीट कर लिखा कि एक शहंशाह ने ताजमहल में मुमताज को दफनाया था और पूरी दुनिया देखने आती है. आज एक शहंशाह ने संविधान दफना दिया है. अब लोग तो इसे देखने आएंगे ही. सौरभ भारद्वाज ने भड़काऊ बयान देकर कम से कम बीजेपी नेताओं को उकसाने का काम किया है.

बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा नए संसद भवन का उद्घाटन करने और सेंगोल को स्थापित करने के तुरंत बाद दिल्ली सरकार में मंत्री सौरभ भारद्वाज ने ट्वीट किया. इस दौरान भारद्वाज ने उन पर तंज कसते हुए कहा कि संसद का मतलब है प्रजातांत्रिक मूल्य, संसद का मतलब

है संविधान सर्वोपरि, संसद का मतलब है बोलने की आजादी और संसद का मतलब है सरकार की जवाबदेही.

वहीं सौरभ ने आगे लिखा कि मुगल काल में एक शहंशाह ने ताजमहल में मुमताज को दफनाया था और पूरी दुनिया देखने आती है. आज एक शहंशाह ने संविधान भारतीय को दफना दिया है. इसे भी लोग देखने तो आएंगे ही. सौरभ भारद्वाज अपने आपत्तिजनक बयानों को लेकर चर्चा में घिरे रहते हैं. वहीं जब से ये दिल्ली सरकार में मंत्री बने हैं. इनका रवैया और भी ज्यादा आक्रामक हो गया है. वहीं जब सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार के पक्ष में अफसरों का ट्रांसफर और पोस्टिंग को लेकर फैसला सुनाया था. इसके बाद सौरभ ने अधिकारियों के साथ गलत व्यवहार किया, जिसकी वजह से वो काफी सुर्खियों में रहे. वहीं अब सौरभ भारद्वाज ने नए संसद भवन का पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा उद्घाटन करने पर आपत्तिजनक बयान दिया है. उन्होंने अपने ताजा ट्वीट में पीएम का नाम लिए बगैर कहा है कि एक शहंशाह ने संविधान का दफना दिया है.

दिल्ली-नोएडा आने जाने वालों को मिलेगी जाम से राहत, आश्रम फ्लाईओवर पर ऊंचाई पर लगाए गए नए हाइटेंशन तार

नई दिल्ली। आश्रम फ्लाईओवर एक्सटेंशन के ऊपर कम ऊंचाई से गुजर रहे हाईटेंशन तारों को हटाकर तारों को ज्यादा ऊंचाई पर ले जाकर लगाने का काम पूरा कर लिया गया है। इसके तहत फ्लाईओवर के दोनों ओर लगाए गए दो यूनिपोल की मदद से तारों को ऊपर उठा दिया गया है जोकि फ्लाईओवर से काफी ऊंचाई पर हैं।

पीडब्ल्यूडी अधिकारी ने बताया कि कम ऊंचाई पर लटक रहे हाईटेंशन तारों को हटाकर बिजली के हाइड्रो पोल का कनेक्शन दोनों यूनिपोल के बीच में लगाए गए नए हाईटेंशन तारों में दे दिया गया है और कम ऊंचाई पर मौजूद हाईटेंशन तारों को हटा दिया गया है। इससे फ्लाईओवर से होकर गुजरने वाले ज्यादा ऊंचाई वाले वाहनों और हाईटेंशन लाइन के बीच पर्याप्त दूरी मौजूद रहेगी और भारी वाहनों के चालक आसानी से इस फ्लाईओवर से होकर गुजर सकेंगे।

वहीं, फ्लाईओवर से सराय काले खां की ओर से लाजपत नगर की ओर आने वाले लूप को जोड़ने का काम भी लगभग पूरा किया जा चुका है। माह के अंत तक यात्री इस लूप का उपयोग कर सकेंगे। गौरतलब है कि अब हाईटेंशन तारों की फ्लाईओवर से ऊंचाई बढ़ने से ऊंचे व भारी वाहनों को फ्लाईओवर से होकर जाने में कोई खतरा नहीं है। अब अधिक ऊंचाई पर लगाए गए हाईटेंशन तारों से होकर बिजली की आपूर्ति सुचारू की जा रही है। इससे आश्रम फ्लाईओवर के नीचे वाले मार्ग पर यातायात का दबाव कम होने और जाम की समस्या से राहत मिलने की उम्मीद है। बता दें कि इससे पहले आश्रम फ्लाईओवर पर भारी वाहनों के प्रवेश की अनुमति नहीं थी। चूंकि नोएडा व डीएनडी की ओर से आश्रम आने के दौरान आश्रम फ्लाईओवर एक्सटेंशन पर चढ़ते ही शुरुआत में बिजली की हाईटेंशन लाइन गुजर रही थी।

लॉरेंस बिश्नोई को 4 दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा, गिरोह के सदस्यों की पहचान जरूरी

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई को अवैध हथियारों और गोला-बारूद की कथित आपूर्ति के मामले में चार दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया. एडवोकेट विशाल चोपड़ा ने बताया कि पटियाला हाउस कोर्ट के मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट के समक्ष आरोपी बिश्नोई पेश हुआ था.

दिल्ली पुलिस ने हथियारों के तस्कर मुकुंद सिंह से 24 पिस्तौलें बरामद करने से जुड़े आर्म्स एक्ट के एक मामले में उससे पूछताछ के लिए चार दिन की हिरासत मांगी थी. दिल्ली पुलिस ने अदालत में कहा कि आरोपी से निरंतर पूछताछ करनी है, जो कि उसके गिरोह के सदस्यों की पहचान करने के लिए की जानी है, जिन्हें बरामद हथियार और गोला-बारूद की आपूर्ति की जानी थी. इस गिरोह द्वारा अपने प्रतिद्वंद्वी को खत्म करने के लिए की जा रही साजिश का पता लगाने के लिए गिरोह के सदस्यों का पता चलना बहुत जरूरी है.

दिल्ली पुलिस ने यह भी कहा कि बिश्नोई का सामना मुकुंद सिंह से कराया जाना है, जो इस मामले में पहले से पीसी रिमांड में है. पुलिस के अनुसार, विशेष प्रकोष्ठ ने सिंह को 24 मई को दिल्ली में सराय काले खां के पास से मिली गुप्त सूचना के

आधार पर गिरफ्तार किया है, जब वह बिश्नोई और काला जठेड़ी गिरोह के सदस्यों को हथियारों की आपूर्ति करने जा रहा था. इस दौरान पुलिस ने सिंह के कब्जे से कार में रखी 24 पिस्टल बरामद की थी. पूछताछ करने पर मुकुंद सिंह ने खुलासा किया कि वह दिलप्रीत सिंह के निर्देश पर पिछले छह महीनों से गिरोह के सदस्यों को अवैध हथियारों की आपूर्ति करने में शामिल था, जो अमेरिका में स्थित है और बिश्नोई-जठेड़ी गिरोह का सदस्य है. पुलिस ने कहा कि मुकुंद सिंह ने पुलिस को बताया कि दिलप्रीत सिंह को गोल्डी बराड़ द्वारा गिरोह के सदस्यों को भारी मात्रा में अवैध हथियार और गोला-बारूद की आपूर्ति करने का निर्देश दिया गया था. मुकुंद सिंह ने मध्यप्रदेश के बुरहानपुर से 50 गोलियों के साथ कुल 25 पिस्तौलें खरीदी थीं, जिन्हें पंजाब और दिल्ली स्थित गिरोह के सदस्यों को आपूर्ति की जानी थी.

खिलाड़ियों ने वीडियो जारी कर लोगों से मांगा समर्थन

नई दिल्ली। भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष बृजभूषण सिंह की गिरफ्तारी को लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर पर पहलवानों के प्रदर्शन का आज 34वां दिन है। इसी कड़ी में अब खिलाड़ियों ने वीडियो संदेश जारी करते हुए लोगों से भावुक अपील की है। इस वीडियो में पहलवान बजरंग पुनिया, साक्षी मलिक, विनेश फोगाट और संगीता फोगाट नजर आ रही हैं। इस वीडियो को साक्षी मलिक ने अपने ट्विटर पर शेयर किया है। उन्होंने वीडियो में 28 मई को होने वाली नई संसद के सामने महिलाओं की महापंचायत को लेकर कई अहम बातों की जानकारी दी है।

साक्षी मलिक ने वीडियो शेयर करते हुए कहा है कि आप जानते हैं कि 28 तारीख को नई दिल्ली में नई संसद के सामने महापंचायत का आयोजन करने जा रहे । इस महापंचायत में शामिल होने आ रहे सभी लोग इस वीडियो में बताई गई बातों पर ध्यान दें।

उस पर अमल करें। हर हाल में शांति बनाए रखें। इस महापंचायत को सफल बनाएं। सभी देशवासियों का शुक्रिया अदा करते हैं, अब तक उन्होंने हमारा साथ दिया है।

पहलवान विनेश फोगाट ने कहा है कि 23 मई को दिल्ली में इंडिया गेट पर कैंडल मार्च निकालने के बाद

अब महिला पंचायत की तैयारियां तेज कर दी हैं। इसमें शामिल होने के लिए पहलवानों की तरफ से लोगों से आह्वान किया जा रहा है।

जिस दिन संसद का उद्घाटन होना है। पहलवान उसी दिन संसद के बाहर महिला महापंचायत का आयोजन होगा। यानि 28 मई को दिल्ली में पहलवानों के समर्थन में बड़े जमावड़े की तैयारी है।

विनेश फोगाट ने बताया कि महापंचायत में शामिल होने के लिए देश के विभिन्न हिस्सों जैसे सिंधु बॉर्डर, टिकरी, गाजीपुर बॉर्डर से समर्थक आएंगे। उन्होंने बताया कि 11:30 बजे वह संसद के लिए मार्च करेंगे। इस दौरान पुलिस जो भी करेगी, उस पर उनकी ओर से प्रतिक्रिया नहीं दिया जाएगा।

18 जून को श्रीगंगानगर में विशाल जनसभा कर राजस्थान में चुनावी शंखनाद फूकेंगी आप

नई दिल्ली। आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी पूरी तरह से चुनावी मोड में आ गई है. आज जयपुर में आम आदमी पार्टी के 5 हजार से ज्यादा सर्किल इंचार्ज सहित करीब 10 हजार कार्यकर्ताओं को संगठन महामंत्री डॉ. संदीप पाठक ने शपथ दिलाई. इस अवसर पर कार्यक्रम को प्रदेश प्रभारी विनय मिश्रा और प्रदेश अध्यक्ष नवीन पालीवाल ने भी संबोधित किया. जयपुर के मानसरोवर स्थित वीटी ग्राउंड में आयोजित आम आदमी पार्टी के पदाधिकारियों के शपथ ग्रहण समारोह को संबोधित करते हुए संगठन महामंत्री डॉ. संदीप पाठक बोले आम आदमी पार्टी 18 जून को श्रीगंगानगर में विशाल जनसभा कर राजस्थान में चुनावी शंखनाद करेगी.

पाठक ने कहा कि दिल्ली सीएम और आम आदमी पार्टी संयोजक अरविंद केजरीवाल 18 जून को श्रीगंगानगर में विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे. राष्ट्रीय संगठन महामंत्री डॉ. संदीप पाठक ने नवनियुक्त पदाधिकारियों से कहा कि आप लोगों को अपने पद का अंहकार नहीं करना है, बल्कि अपने सभी साथियों के साथ मिलकर काम करना है. पाठक ने कहा कि हमें एक मुट्ठी की तरह रहना है. आज राजस्थान में हमारी पार्टी का संगठन इतना बड़ा हो गया है कि एक-एक कार्यकर्ता बीजेपी और कांग्रेस को बोल सकता है कि अब आ जाओ चुनाव में सबको देख लेंगे.

कांग्रेस और बीजेपी को ललकारते हुए संदीप पाठक ने कहा कि देख लो बीजेपी और कांग्रेस

वालों आज आप लोगों के सामने आम आदमी पार्टी के संगठन की बड़ी ताकत खड़ी हो चुकी है. संदीप पाठक ने कहा कि हमारा देश आज अंग्रेजों से भले ही आजाद हो गया हो, लेकिन हमारे देश की राजनीति आज भी भ्रष्ट नेताओं की कैद में है और इस अपवित्र राजनीति को पवित्र करने का जो संकल्प आप लोगों ने लिया है उसके लिए मैं आप लोगों को बधाई देता हूं. उन्होंने कहा कि मैं जानता हूं कि आपके इस संकल्प को पूरा करने में कई तरह की कठिनाइयां आएंगी लेकिन हम लोगों को पीछे नहीं हटना है बल्कि अपनी झाड़ू से भ्रष्टाचार का सफाया करना है.

राजस्थान की स्कूलों की हालत बदतर

राजस्थान की शिक्षा व्यवस्था को लेकर संदीप पाठक ने कहा कि आज राजस्थान की स्कूलों की हालत बदतर हो चुकी है. प्रदेश में 2100 स्कूलों में एक भी अध्यापक नहीं है, 10 हजार से ज्यादा स्कूल ऐसे हैं जिनमें सिर्फ 1 अध्यापक है और जबकि प्रदेश में 90 हजार से ज्यादा शिक्षकों के पद खाली पड़े हैं, इसका पाप सरकार को भुगतना पड़ेगा. उन्होंने कहा कि जब दिल्ली में अरविंद केजरीवाल सरकार स्कूलों का कायाकल्प कर सकती है तो गहलोत और वसुंधरा क्यों नहीं? लेकिन इनको तो सिर्फ अपनी कुर्सी की परवाह है और अपनी जेब भरने की पड़ी है. जब गांव का बच्चा डॉक्टर या इंजीनियर बनता है तो इनके पेट में दर्द होने लगता है. उन्होंने आगे कहा कि आज दिल्ली के मोहल्ला क्लीनिक प्राइवेट अस्पतालों की तरह बन गए हैं. जनता ने केजरीवाल को दिल्ली में एक बार मौका दिया था जिसमे केजरीवाल ने ऐसा काम किया कि अब जनता केजरीवाल को प्यार करने लगी है और बार बार जिताती है. जनता ने बार-बार कांग्रेस बीजेपी को हराया. भ्रष्टाचार पर आप के संगठन महामंत्री ने कहा कि दिल्ली में भ्रष्टाचार पूरी तरह से खत्म हो गया जबकि राजस्थान में आप किसी भी दफ्तर में चले जाओ बिना पैसे के काम नहीं होता और राजस्थान में आज साढ़े 18 लाख रजिस्टर्ड बेरोजगार हैं.

गुरु अर्जन देव के शहीदी दिवस पर अल्पसंख्यक आयोग ने किया सेमिनार का आयोजन

दिल्ली। सिख धर्म के पांचवें गुरु अर्जन देव जी के शहीदी दिवस पर दिल्ली अल्पसंख्यक आयोग ने अपने सभागार में एक सेमिनार का आयोजन किया। चेयरमैन जाकिर खान मंसूरी की अध्यक्षता में आयोजित इस सेमिनार में पूर्व पार्षद गुरचरन सिंह राजू, दिल्ली सिख गुरुद्वारा कमेटी के सदस्य सुखविंदर सिंह बब्बर, फेस ग्रुप के चेयरमैन डॉ. मुश्ताक अंसारी, प्रीत विहार गुरुद्वारा अध्यक्ष कुलदीप सिंह, मधु विहार गुरुद्वारा अध्यक्ष हरदीप सिंह रेखी एवं समाजसेवी मैकी जैन ने विशिष्ठ अतिथि की हैसियत से शिरकत की।

इस अवसर पर सभी वक्ताओं ने शहीद गुरु अर्जन देव जी के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला और आपसी भाईचारे को मजबूत करने पर बल दिया। इस मौके पर प्रमुख समाजसेवियों को सम्मानित भी किया गया।कार्यक्रम में जाकिर खान मंसूरी

ने कहा कि समाज सेवा विशेष रूप से लंगर व्यवस्था में सिख भाई सबसे आगे रहते हैं। धर्म कोई बुरा नहीं है लेकिन कुछ लोग नफ़रत का माहौल पैदा करने के लिए एक दूसरे के धर्म के सम्बंध में दुष्प्रचार करते हैं। गुरचरन सिंह राजू ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए अभिभावकों से आग्रह किया कि वह अपने बच्चों को उच्चस्तरीय शिक्षा उपलब्ध कराएं तथा बच्चों को आईएएस, आईपीएस बनाएं ताकि वह देश के बेहतर निर्माण में अहम भूमिका निभा सकें। सुखविंदर सिंह बब्बर ने कहा कि अन्य गुरुओं की भांति गुरु अर्जन देव के जीवन से हमें बहुत कुछ सीखने को मिलता है। इस मौके पर प्रीत विहार गुरुद्वारा समिति के उपाध्यक्ष सरदार अमनजीत सिंह को दिल्ली अल्पसंख्यक आयोग सिख सलाहकार कमेटी का सदस्य नियुक्त किया गया। उनको नियुक्ति पत्र भी सौंपा गया। नियुक्ति उपरांत अमनजीत सिंह ने आयोग के चेयरमैन जाकिर खान का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आयोग की ओर से अल्पसंख्यक समुदाय को पहुंचाई जाने वाली सुविधाओं एवं योजनाओं का लाभ जरूरतमंदों तक पहुंचे, इसके लिए भरसक प्रयास करूंगा।

संसद भवन में अखंड भारत के मैप पर कपिल मिश्रा बोले- यह हमारा नया 'संकल्प'

दिल्ली। नए संसद भवन का उद्घाटन से सियासत गरमा गई है. दरअसर संसद भवन का उद्घाटन प्रधानमंत्री मोदी द्वारा किए जाने पर विपक्षी दल भड़क गए हैं. उनका कहना था कि संसद भवन का उद्घाटन देश के प्रथम नागरिक यानी राष्ट्रपति के द्वारा होना चाहिए. ऐसा नहीं होने पर कोई संसद के साथ ताबूत ताबूत की फोटो शेयर कर रहा है तो आप के मंत्री ने संविधान को दफन करने तक का आरोप पीएम पर लगा दिया है. वहीं भाजपा नेता कपिल मिश्रा ने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि मंत्रोच्चारों , शंख और घंटियों की गूंज के बीच धर्मदंड की स्थापना होने से अब लग रहा है कि हां ये छत्रपति शिवाजी, महाराणा प्रताप, चंद्र गुप्त मौर्य के वंशजों की संसद है.

भाजपा नेता ने नए संसद भवन के उद्घाटन पर ट्वीट कर लिखा कि नए संसद भवन का अद्भुत दृश्य सबका मन मोह लेने वाला है. यह काम स्वाधीनता मिलते ही होना चाहिए था. प्रथम संसद का प्रथम दिन मंत्रोच्चारों, शंख और घंटियों की गूंज के

बीच धर्मदंड की स्थापना होनी चाहिए थी.

वहीं उन्होंने कहा कि कोई बात नहीं, जो पहले नहीं हुआ वो अब हो रहा है. धर्मदंड की स्थापना के बाद से लग रहा है कि ये छत्रपति शिवाजी, महाराणा प्रताप और चंद्र गुप्त मौर्य के वंशजों की संसद है. वीरों के सपने को वास्तविकता में बदलने का ये पुण्य कार्य केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा ही संभव था, जिसे उन्होंने पूरा कर भी दिखाया.

वहीं उन्होंने दूसरे अन्य ट्वीट में लिखा कि हिंदू संस्कृति का जगत में आज फिर सम्मान हो. चिर पुरातन राष्ट्र का फिर से नया निर्माण हो.

नई संसद में लगा अखंड भारत का मानचित्र. यह नया संकल्प, नए लक्ष्य और नया है हमारा संसद भवन. कपिल मिश्रा ने आरजेडी के ट्वीट पर भी पलटवार करते हुए लिखा कि RJD ने ये बहुत ही शर्मनाक काम किया है. घोटालेबाजों की पार्टी आरजेडी ने आखिर आज अपना भविष्य ही बता दिया.

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बीएपीएस हिन्दू मंदिर को देखने राजदूत पहुंचे अबू धाबी

नई दिल्ली । अबू धाबी में निर्माणाधीन बीएपीएस हिन्दू मंदिर को देखने के ?लिए 30 से अधिक देशों के राजदूत पहुंचे। राजदूतों के भ्रमण का उद्देश्य अंतर-सांस्कृतिक समझ को बढ़ावा देना और हिन्दू मंदिर की प्रगति को देखना था। जानकारी के अनुसार 27 एकड़ में बन रहा यह विशाल मंदिर और सांस्कृतिक परिसर सहिष्णुता और सद्भाव के सार्वभौमिक मूल्यों की अभिव्यक्ति है। निर्माणाधीन मंदिर परिसर में अशोक कोटेचा, योगेश मेहता, चिराग पटेल, प्रणव देसाई और मंदिर के निर्माण की देखरेख करने वाले निदेशकों और स्वयंसेवकों ने 85 से अधिक अतिथियों का स्वागत किया। संयुक्त अरब अमीरात में भारतीय राजदूत संजय सुधीर ने इतिहास, संस्कृति और व्यापार में निहित भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच लंबे समय से चली आ रही मित्रता पर चर्चा की। उन्होंने यूएई नेतृत्व की सहिष्णुता और उदारता की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि यह मंदिर यूएई में रहने वाले भारतीय समुदाय के विश्वास की सामूहिक आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करता है। इस संबंध में भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने एक वीडियो के माध्यम से यूएई और दुनिया के लिए मंदिर के महत्व के साथ-साथ यूएई नेतृत्व की दृष्टि और दिशा का सम्मान करते हुए चर्चा की। उन्होंने कहा कि उनके जीवन के सबसे यादगार क्षण हैं, यहां बीएपीएस हिंदू मंदिर बन रहा है। स्वामी ब्रह्मविहारीदास ने राजदूतों का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए कहा कि राजनयिक बंधुत्व और उनके परिवारों की उपस्थिति विश्वास और संस्कृति की एकीकृत शक्ति का उदाहरण है।

सीएम स्टालिन ने की 500 किमी रफ्तार वाली जापानी बुलेट ट्रेन की सवारी

चेन्नई । तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने जापान में 500 किमी की रफ्तार से चलने वाली बुलेट ट्रेन का सफर किया। गौरतलब है कि सीएम स्टालिन का जापान दौरा और उनका बुलेट ट्रेन से राजधानी टोक्यो तक का सफर करना काफी अहम माना जा रहा है। बता दें कि बुलेट ट्रेन 500 किलोमीटर की रफ्तार से दौड़ती है। सफर के बाद सीएम एमके स्टॉलिन ने भी कहा कि भारत में भी ऐसी ट्रेन चलाई जानी चाहिए। जानकारी के अनुसार जापान की आधिकारिक यात्रा पर गए तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने रविवार को बुलेट ट्रेन से ओसाका से राजधानी टोक्यो तक 500 किलोमीटर की यात्रा की। उन्होंने भारत में भी इस तरह की ट्रेन सेवा शुरू होने से भारतीय नागरिकों को फायदा होने की बात कही है। जापान यात्रा पर गए तमिलनाडु के सीएम स्टॉलिन की यात्रा की कुछ तस्वीरें सामने आई हैं। स्टालिन ने खुद अपनी जापान यात्रा के दौरान बुलेट ट्रेन में सफर की कई तस्वीरों का साझा भी किया है। इस दौरान स्टालिन ने ट्वीट कर लिखा-ओसाका से टोक्यो तक बुलेट ट्रेन की यात्रा : ढाई घंटे से भी कम समय में लगभग 500 किमी की दूरी तय की। गौरतलब है कि भारत में भी बुलेट ट्रेन संचालन के लिए मुंबई और अहमदाबाद के बीच कॉरिडोर का निर्माण किया जा रहा है। भारत सरकार अगस्त 2026 तक अहमदाबाद से मुंबई तक 508 किलोमीटर के मार्ग पर देश की पहली बुलेट ट्रेन का निर्माण कर रही है। इससे पहले सीएम एमके स्टालिन ने अपनी यात्रा को लेकर काफी सुखद अहसास और खुशी होने का इजहार किया है। स्टालिन ने यह भी इच्छा जताई है कि भारत में भी ऐसी ही ट्रेन चलाई जानी चाहिए। गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों को इसका लाभ मिलेगा और उनकी यात्रा आसान होगी। गैरतलब है कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री निवेशकों को आकर्षित करने के लिए सिंगापुर और जापान की आधिकारिक यात्रा पर गए हैं। भारत सरकार का प्रयास है कि अगस्त 2026 में पहली बुलेट ट्रेन का संचालन शुरू कया जाए जबकि साल 2027 में बुलेट ट्रेन को एक बड़े सेक्शन पर चलाने का लक्ष्य है।

बीएसएफ ने अमृतसर सीमा के पास छठवीं बार पाकिस्तानी ड्रोन को मार गिराया, एक गिरफ्तार

-नशीले पदार्थ की खेप ले जा रहा था ड्रोन

अमृतसर । सीमा सुरक्षा बल यानी बीएसएफ ने पंजाब के अमृतसर जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास एक पाकिस्तानी ड्रोन को मार गिराया और शनिवार शाम को एक तस्कर को नशीले पदार्थों की खेप के साथ गिरफ्तार कर लिया। उल्लेखनीय है कि हाल के दिनों में बीएसएफ कर्मियों द्वारा मार गिराए जाने वाला यह छठवां ड्रोन है। बीएसएफ की रिपोर्ट के अनुसार अमृतसर के धनोए खुर्द गांव के पास गहरे इलाके में तैनात बीएसएफ के जवानों ने एक संदिग्ध ड्रोन की आवाज सुनी और 27 मई की रात को एक संदिग्ध पाकिस्तानी ड्रोन को मार गिराया। क्षेत्र की बाद की खोज के दौरान बीएसएफ के जवानों ने धनोए खुर्द गांव के पास खेतों से डीजेआई मैट्रिस-300 आरटीके का एक काला क्वाडकॉप्टर बरामद किया। वहीं धनोए खुर्द गांव के पास तैनात जवानों ने भी 3 लोगों को गांव की ओर भागते हुए देखा, उन्हें चुनौती दी और लगभग 3.4 किलोग्राम के तीन पैकेटों की संदिग्ध खेप वाले एक बैग के साथ एक संदिग्ध को पकड़ लिया। खेप के साथ एक लोहे का हुक और चार चमकदार पट्टियां भी जुड़ी हुई पाई गईं। बीएसएफ ने कहा कि ग्राम धनो खुर्द के पास तैनात सैनिकों ने भी 3 व्यक्तियों को गांव की ओर भागते हुए देखा, उन्हें चुनौती दी और 3 पैकेट में 3.4 किलोग्राम के संदिग्ध मादक पदार्थों की खेप वाले बैग के साथ 1 संदिग्ध को पकड़ लिया। एक लोहे का हुक और 4 चमकदार पट्टियां भी खेप के साथ जुड़ी हुई मिलीं। मादक पदार्थों की तस्करी के पाकिस्तान के एक और नापाक प्रयास को सतर्क बीएसएफ जवानों ने नाकाम कर दिया।

नेपाल एयरलाइंस का विमान उड़ान के 25 मिनट बाद काठमांडू लौटा

-पक्षी के टकराने की आशंका, विमान के दाहिने विंग के ब्लेड क्षतिग्रस्त

बैंगलुरु । नेपाल एयरलाइंस का एक विमान शनिवार को उड़ान के 25 मिनट बाद ही काठमांडू के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (टीआईए) पर लौट पड़ा। पक्षी से टकराने की आशंका व्यक्त की जा रही है, क्योंकि विमान के दाहिने विंग के ब्लेड क्षतिग्रस्त हो गए हैं। त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के प्रवक्ता टेकनाथ सितौला ने मीडिया को बताया कि नेपाल एयरलाइंस का ए-320 विमान त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सुरक्षित तरीके से उतर गया और तकनीशियन इसकी जांच कर रहे हैं। मीडिया रेपोर्ट के अनुसार विमान ने अपराह्न 1:45 बजे टीआईए से उड़ान भरी, लेकिन उसे 25 मिनट बाद उसी हवाई अड्डे पर वापस लौटना पड़ा। हवाई अड्डे के अधिकारियों ने बताया कि विमान के दाहिने विंग के ब्लेड क्षतिग्रस्त हो गए। मीडिया ने टीआईए के सूत्रों के हवाले से बताया कि उड़ान आरए-225 के यात्रियों ने तेज आवाज सुनने की सूचना दी। सितौला ने कहा कि उड़ान भरने के दौरान पक्षी के टकराने का संदेह होने पर विमान को काठमांडू की ओर मोड़ दिया गया। रिपोर्ट के अनुसार यात्रियों को दूसरे विमान में स्थानांतरित करने की व्यवस्था की गई। हवाई अड्डे के अधिकारियों ने बताया कि यात्री टीआईए से दूसरे विमान से बैंगलुरु के लिए रवाना हो गए हैं। ए320 विमान में अधिकतम 180 यात्री बैठ सकते हैं।

आधार के अभाव में योजनाओं से वंचित नहीं किया जा सकता : हाईकोर्ट

भुवनेश्वर । उड़ीसा हाई कोर्ट ने केंद्र सरकार और राज्य सरकारों से कहा है, कि वह कमजोर और जरूरतमंद लोगों की कल्याणकारी योजनाओं के लाभ से, इसलिए वंचित नहीं कर सकते हैं। क्योंकि उनके पास आधार कार्ड ओर मोबाइल नंबर नहीं है। हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डॉ एस मुरलीधर और न्यायमूर्ति गौरीशंकर सतपथी की खंडपीठ ने, जाजपुर जिले में बच्चों के गंभीर कुपोषण के कारण जो स्थिति का निर्माण हुआ है। इसकी सुनवाई जनहित याचिका के माध्यम से हाईकोर्ट में की। हाईकोर्ट ने कहा, कई लोगों के पास आधार कार्ड और मोबाइल नंबर नहीं होने से, सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लोगों को नहीं मिल रहा है। खंडपीठ ने केंद्र सरकार के महिला एवं बाल विकास विभाग से सुनिश्चित करने को कहा है, की योजनाओं के तहत विस्तार में साल दर साल वृद्धि की जाए। सभी लोगों को इसका लाभ मिले। पहचान पत्र, आधार या मोबाइल नंबर को अनिवार्य मानते हुए उन्हें वंचित नहीं किया जाए।

हाईकोर्ट ने यह भी कहा, कि जरूरतमंदों के लिए दस्तावेज की अनिवार्यता और दस्तावेजों के नहीं होने पर भी, योजनाओं का लाभ जरूरत और गरीब लोगों तक हर हालत में सुनिश्चित किया जाए। हाईकोर्ट ने इस बात पर भी संज्ञान लिया, कि खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत सभी लोगों को लाभ नहीं मिल रहा है। यह भी सुनिश्चित करने को कहा गया है।

लोकतंत्र हमारे मजबूत भविष्य की नींव, अनेकता में एकता हमारी ताकत: ओम बिरला

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने रविवार को नई संसद में कहा कि अमृतकाल में विश्व में भारत का मान बढ़ा है। उन्होंने भारतीय संसद को आंतरिक और वैश्विक चुनौतियों को अवसरों में बदलने की क्षमता रखते वाला करार दिया। लोकसभा स्पीकर ने कहा कि लोकतंत्र हमारे मजबूत भविष्य की नींव है। अनेकता में एकता हमारी ताकत है। नए संसद भवन में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि आजादी के अमृतकाल में पूरा देश आज इस ऐतिहासिक पल का साक्षी बन रहा है। मैं पीएम मोदी को साधुवाद देता हूं, जिनके दृढ़संकल्प और प्रेरक मार्गदर्शन से संसद का ये नया भवन 2.5 साल से भी कम अवधि में बनकर तैयार हुआ। ओम बिरला से पहले राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह ने भी नई संसद में अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि हमारा वर्तमान संसद भवन देश की लोकतांत्रिक गतिविधियों का जीवंत केंद्र रहा है। हमारी प्रगति का मार्गदर्शक रहा है। यह भवन भारत की स्वतंत्रता प्राप्ति तथा संविधान निर्माण से लेकर हमारी गौरवशाली लोकतांत्रिक यात्रा के दौरान अनेक ऐतिहासिक घटनाओं का साक्षी रहा है।

हरिवंश ने कहा कि आने वाले वर्षों में परिसीमन के कारण सदस्यों की संख्या में बढ़ोतरी की संभावना एवं संसद की बढ़ती हुई जम्मिदारियों को देखते हुए वर्तमान संसद भवन में स्थान का अभाव महसूस किया जा रहा था। संसद के दोनों सदनों के सदस्यों ने प्रधानमंत्री से एक नए भवन के निर्माण का आग्रह किया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को नए संसद भवन का उद्घाटन किया और ऐतिहासिक राजदंड 'सेंगोल' को लोकसभा अध्यक्ष के आसन के समीप स्थापित किया। पारंपरिक परिधान में प्रधानमंत्री मोदी ने द्वार संख्या-एक से संसद भवन परिसर में प्रवेश किया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने उनका स्वागत किया, इसके बाद मोदी और बिरला ने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री ने नए संसद भवन के उद्घाटन के मौके पर ईश्वर का आशीर्वाद लेने के लिए कर्नाटक के श्रृंगेरी मठ के पुजारियों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच 'गणपति होमम्' अनुष्ठान किया। प्रधानमंत्री ने 'सेंगोल' (राजदंड) को दंडवत प्रणाम किया और हाथ में पवित्र राजदंड लेकर

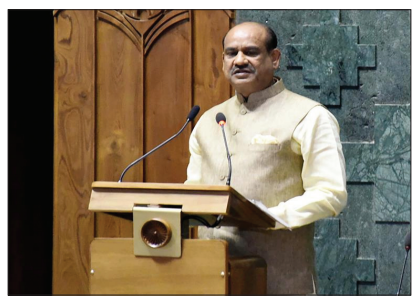

तमिलनाडु के विभिन्न अधीनमों के पुजारियों का आशीर्वाद लिया। इसके बाद 'नादस्वरम्' की धुनों के बीच प्रधानमंत्री मोदी सेंगोल को नए संसद भवन लेकर गए और इसे लोकसभा कक्ष में अध्यक्ष के आसन के दाईं ओर एक विशेष स्थान में स्थापित किया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, अमित शाह, एस जयशंकर और जितेंद्र सिंह, योगी आदित्यनाथ सहित कई राज्यों के मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जेपी नड्डा मौजूद रहे।

राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत सोमवार को दिल्ली पहुंचेंगे

जयपुर । राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत सोमवार को दिल्ली पहुंच रहे हैं। जानकारी के अनुसार कांग्रेस की आलाकमान ने अशोक गहलोत को 29 मई को दिल्ली बुलाया है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, आलाकमान ने प्रदेश के आने वाले चुनावों की रणनीति तय करने और पायलट से जुड़े मुद्दों पर बात करने के लिए गहलोत को दिल्ली बुलाया है। हालांकि अशोक गहलोत को इससे पहले 27 तारीख को दिल्ली आकर आलाकमान से मुलाकात करनी थी। लेकिन तबियत ख़राब होने की वजह से वह दिल्ली का दौरा नहीं कर पाए। अब 29 मई को गहलोत दिल्ली आएंगे और कांग्रेस अध्यक्ष मलिकार्जुन खड़गे से मिलकर चुनावों की रणनीति पर बातचीत करेंगे। जबकि 27 मई को दिल्ली दौरे से पहले गहलोत ने मीडिया से बातचीत की थी। उन्होंने कहा था कि हम चाहेंगे कि बैठक में सब अपने-अपने सुझाव देंगे। उसके बाद हाईकमान के जो निर्देश होंगे, वह मानेंगे। सीएम अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच काफी लंबे समय से खींचतान चल रही है। दोनों के बीच की कड़वाहट की वजह से आने वाले राजस्थान चुनावों में कांग्रेस पार्टी को नुकसान हो सकता है। इसलिए आलाकमान गहलोत और पायलट के बीच की कड़वाहट दूर करने में लगा हुआ है। जानकारी के मुताबिक, गहलोत से मुलाकात के बाद पार्टी अध्यक्ष अलग से पायलट के साथ भी मुलाकात करेंगे। जयपुर (ईएमएस)। राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत ?सोमवार को ?दिल्ली पहुंच रहे हैं। जानकारी के अनुसार कांग्रेस की आलाकमान ने अशोक गहलोत को 29 मई को दिल्ली बुलाया है।

अरुणाचल के ग्यामर व बिहार की विशाखा को पीएम मोदी ने दी सलाह

-मन की बात के 101वें एपिसोड में युवाओं को किया ब्लॉग लिखने के लिए प्रेरित

ई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज रविवार को अपने सबसे पसंदीदा प्रोग्राम 'मन की बात' के 101वें एपिसोड में देशवासियों को संबोधित किया। पीएम ने इस दौरान देश के युवाओं को शिक्षा मंत्रालय के युवा संगम पर ब्लॉग लिखने को प्रेरित भी किया। इस कार्यक्रम में पीएम मोदी ने केंद्र सरकार की पहल का जिक्र किया। साथ ही मन की बात को मिली सफलता पर भी चर्चा की। गौरतलब है कि इस कार्यक्रम की शुरुआत साल 2014 से हुई थी। यह कार्यक्रम पीएम मोदी की सरकार के नागरिक तक पहुंचने के कार्यक्रम का एक प्रमुख जरिया बन गया है। अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा कि 100वें एपिसोड के ब्रॉडकास्ट के साथ एक प्रकार से पूरा देश एक सूत्र में बंध गया था। हमारे सफाईकर्मी भाई-बहन हों या फिर अलग-अलग सेक्टर्स के दिग्गज, 'मन की बात' ने सबको एक साथ लाने का काम किया है। पीएम मोदी ने अरुणाचल प्रदेश के ग्यामर न्योकुम जी से संवाद करते हुए कहा कि युवा संगम में आपका कैसा अनुभव रहा, इसे लेकर एक ब्लॉग लिखिए। ताकि

देश के अन्य युवा साथियों के पता चले कि एक भारत श्रेष्ठ भारत की योजना क्या है। इसके अलावा युवा संगम को लेकर प्रधानमंत्री ने बिहार की बेटी विशाखा सिंह से संवाद किया। उन्होंने विशाखा से भी अपने अनुभव पर ब्लॉग लिखने को कहा।

पीएम मोदी ने मन की बात में कहा कि बीते वर्षों में भी हमने भारत में नए-नए तरह के म्यूजियम और मेमोरियल बनते देखें हैं। स्वाधीनता संग्राम में आदिवासी भाई-बहनों के योगदान को समर्पित 10 नए म्यूजियम बनाए जा रहे हैं। कोलकाता के विक्टोरिया मेमोरियल में बिप्लोबी भारत गैलरी हो या फिर जलियावालां बाग मेमोरियल का पुनरुद्धार, देश के सभी पूर्व प्रधानमंत्रियों को समर्पित पीएम म्यूजियम भी आज दिल्ली की शोभा बढ़ा रहा है। पीएम ने पिछले एपिसोड का जिक्र करते हुए कहा कि जब मन की बात का प्रसारण हुआ तो उस वक्त दुनिया के अलग-अलग देशों में अलग-अलग टाइम जोन में, कहीं शाम हो रही थी को कहीं देर रात थी। इसके बावजूद बड़ी संख्या में 100वें एपिसोड को लोगों ने सुनने के लिए समय निकाला। मैंने हजारों मील दूर न्यूजीलैंड का वो वीडियो भी देखा। जिसमें 100 वर्ष की एक माताजी अपना आशीर्वाद दे रही हैं। 101 वें एपिसोड का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा, 'मन की बात' का ये एपिसोड सेकेंड सेंचुरी का प्रारंभ है। पिछले महीने हम सभी ने इसकी स्पेशल सेंचुरी को सेलिब्रेट किया है। आपकी भागीदारी ही इस कार्यक्रम की सबसे बड़ी ताकत है। आप सभी ने जो आत्मीयता और स्नेह मन की बात के लिए दिखाया है, वो अभूतपूर्व हैं, भावुक कर देने वाला है। पीएम ने कहा कि भारत की शक्ति इसकी विविधता में है। हमारे देश में देखने के लिए बहुत कुछ है।

मोदी के संसद भवन उद्घाटन को राहुल गांधी ने बताया राज्याभिषेक

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम मोदी द्वारा संसद भवन के उद्घाटन को राहुल गांधी ने राज्याभिषेक बताया है। जहां मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह का बहिष्कार किया, वहीं 20 अन्य विपक्षी दल भी समारोह से नदारद रहे। पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा सुबह संसद के नए भवन के उद्घाटन समारोह पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने निशाना साधा। राहुल ने एक ट्वीट में कहा कि पीएम मोदी इस उद्घाटन को राज्याभिषेक समझ रहे हैं। कांग्रेस नेता ने लिखा कि संसद लोगों की आवाज है! प्रधानमंत्री संसद भवन के उद्घाटन को राज्याभिषेक समझ रहे हैं। कांग्रेस के आधिकारिक हैंडल से भी इस कार्यक्रम के विरोध में ट्वीट किए गए हैं। विपक्ष ने भाजपा पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को आमंत्रित नहीं करने का आरोप लगाया। इसे भारत के पहले आदिवासी राष्ट्रपति का अपमान बताया है। उनकी टिप्पणी पीएम मोदी द्वारा रविवार को पूजा और हवन के बाद नए संसद भवन का उद्घाटन करने के बाद आई है। मोदी ने नए भवन में लोकसभा अध्यक्ष की कुर्सी के पास ऐतिहासिक सेंगोल भी स्थापित किया।

इधर पीएम मोदी ने नए संसद भवन के उद्घाटन की तस्वीरों के साथ एक ट्वीट में कहा, भारत की संसद के नए भवन का उद्घाटन किया गया है। हमारे दिल और दिमाग गर्व, आशा और वादे से भरे हुए हैं। यह प्रतिष्ठित इमारत सशक्तिकरण का उद्गम स्थल हो, सपनों को प्रज्वलित करे और उन्हें वास्तविकता में पोषित करे। यह हमारे महान राष्ट्र को प्रगति की नई ऊंचाई पर ले जाए।

सीएम केजरीवाल ने सत्येंद्र से अस्पताल में मिले, पूछा हाल-चाल, लगाया गले

- केजरीवाल ने सत्येंद्र जैन को हीरो करार दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल रविवार को पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन से मिलने एलएनजेपी अस्पताल पहुंचे। उन्होंने अस्पताल में सत्येंद्र जैन को गले लगाया। केजरीवाल ने ट्वीट किया कि आज वो बहादुर आदमी से मिले। उन्होंने जैन को हीरो बताया। उल्लेखनीय है कि हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने सत्येंद्र जैन को मेडिकल ग्राउंड पर अंतरिम जमानत दी है। सुप्रीम कोर्ट ने शर्तों के साथ 11 जुलाई तक सत्येंद्र जैन को जमानत देने का निर्देश दिया है।

आम आदमी पार्टी ने भी अपने ऑफिशियल ट्वीटर हैंडल से केजरीवाल और जैन की तस्वीरें शेयर की। आप ने लिखा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल अपने क्रांतिकारी साथी सत्येंद्र जैन से मिलने अस्पताल पहुंचे। मुख्यमंत्री केजरीवाल ने गले मिलकर सत्येंद्र जैन से उनका हाल-चाल पूछा और स्वास्थ्य की जानकारी ली।

गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस जेके महेश्वरी और जस्टिस पीएस नरसिम्हा की बेंच ने उनकी अपनी मर्जी से अस्पताल में इलाज कराने की छूट दी है और कहा है कि अंतरिम जमानत के लिए शर्त ट्रायल कोर्ट तय करेगा। सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व मंत्री से कहा है कि वह अंतरिम जमानत अवधि के दौरान वह मीडिया से बात नहीं करेंगे और वह किसी भी गवाह को प्रभावित करने की कोशिश नहीं करेंगे।

उल्लेखनीय है कि मनी लॉन्ड्रिंग केस में सत्येंद्र जैन तिहाड़ जेल में थे। कुछ दिन पहले वे तिहाड़ जेल के बाथरूम में गिर गए। गिरने से शरीर के पिछले हिस्से में आई चोट की वजह से उन्हें दीन दयाल उपाध्याय हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है।

आरजेडी ने नए संसद भवन की तुलना ताबूत से कर दी

-भाजपा ने की देशद्रोह का मुकदमा दायर करने की मांग

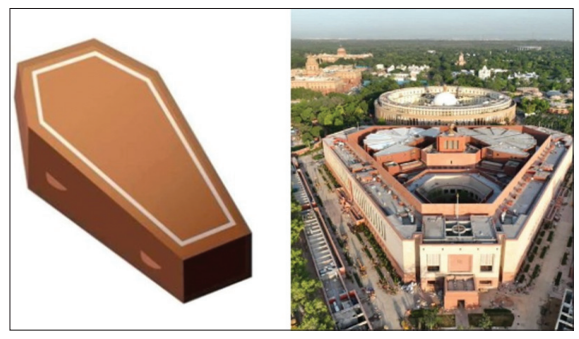

पटना (एजेंसी)। नए संसद भवन के उद्घाटन के दौरान अनेक विपक्षी दलों ने इसका विरोध किया है। राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) की ओर से ट्विटर पर एक विवादित फोटो पोस्ट करने के बाद से खूब घमासान मचा हुआ है। दरअसल आरजेडी की ओर से ताबूत के साथ नए संसद भवन की तस्वीर शेयर करते हुए लिखा गया है-ये क्या है? आरजेडी की ओर से यह ट्वीट ऐसे समय में किया गया, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संसद के नए भवन के उद्घाटन समारोह में शामिल हो रहे थे। नए संसद भवन का उद्घाटन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से कराए जाने की मांग को लेकर देश की 21 विपक्षी पार्टियों ने समारोह के बहिष्कार का फैसला किया। इस कार्यक्रम का बिहार में सत्तारूढ़ जेडीयू के साथ आरजेडी ने भी बहिष्कार किया है। नए संसद भवन को लेकर शनिवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार नेतंज कसा था और समारोह में शामिल होने के कारण के बारे में जानकारी दी थी। वहीं आज आरजेडी की ओर से नए संसद भवन पर तंज कसा है।

बीजेपी के वरिष्ठ नेता सुशील कुमार मोदी ने कहा कि नया संसद भवन जनता के पैसे से बना है। आज भले ही आरजेडी ने बहिष्कार किया है, लेकिन कल सदन की कार्यवाही तो वहीं चलने वाली है। क्या आरजेडी ने यह तय कर लिया है कि उनके सदस्य स्थायी रूप से बहिष्कार करेंगे, क्या वो लोकसभा की सदस्यता से इस्तीफा देंगे, राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा देंगे। उन्होंने कहा कि ताबूत का चित्र दिखाने से ज्यादा अपमान लोकतंत्र का क्या हो सकता है। ऐसे लोगों पर तो देशद्रोह का मुकदमा दर्ज किया जाना चाहिए। बीजेपी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और बेतिया से लोकसभा सांसद डॉ। संजय जायसवाल ने आरजेडी के इस ट्वीट को शर्मनाक बताते हुए लालू परिवार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में आरजेडी इसी ताबूत में बंद होकर धरती के अंदर दफन हो जाएगी। आरजेडी के इस ट्वीट पर लोगों की अलग-अलग प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। कोई इसे देश का अपमान बता रहा है, तो कोई हिन्दू धर्म का मजाक।

कांग्रेस ने मोदी को बताया स्वयं का महिमामंडन करने वाला अधिनायकवादी पीएम

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा नए संसद भवन का उद्घाटन किए जाने के बाद कांग्रेस ने निशाना साधा है। रविवार को उन पर कटाक्ष करते हुए कांग्रेस ने कहा कि संसदीय प्रक्रियाओं का पूरी तरह तिरस्कार करने वाला आत्म-गौरवशाली सत्तावादी पीएम, जो शायद ही कभी संसद में भाग लेते हैं या इसमें शामिल होते हैं। कार्यक्रम के लिए 28 मई को चुनने पर सरकार की आलोचना करते हुए कांग्रेस महासचिव संचार प्रभारी जयराम रमेश ने एक ट्वीट में कहा, इस दिन, 28 मई 1964 को भारत में सबसे अधिक संसदीय लोकतंत्र का पोषण करने वाले प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू का अंतिम संस्कार हुआ था और वी.डी. सावरकर, जिसके वैचारिक पारिस्थितिकी तंत्र ने महात्मा गांधी की हत्या की, का 1883 में जन्म हुआ था। उन्होंने कहा, राष्ट्रपति बनने वाली पहली आदिवासी महिला को अपने संवैधानिक कर्तव्यों को पूरा करने और 2023 में नए संसद भवन का उद्घाटन करने की अनुमति नहीं है।

राज्यसभा सदस्य जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि संसदीय प्रक्रियाओं के लिए घोर तिरस्कार के साथ एक आत्म-गौरवशाली सत्तावादी प्रधानमंत्री, जो शायद ही कभी संसद में भाग लेता है या उसमें शामिल होता है। इससे पहले पीएम मोदी ने आज सुबह पारंपरिक पूजा और हवन के बाद लोकसभा की कुर्सी के पास ऐतिहासिक सेंगोल स्थापित किया और नए संसद भवन का उद्घाटन किया। कांग्रेस के अलावा, 19 अन्य विपक्षी दलों ने नए संसद भवन के उद्घाटन का बहिष्कार किया।

मुझे खुशी है, मैं वहां नहीं गया, वहां जो कुछ हुआ, उसे देखकर मैं चिंतित हूं: शरद पवार

- नई संसद के उद्घाटन पर शरद पवार ने की टिप्पणी

मुंबई (एजेंसी)। एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने नए संसद भवन के उद्घाटन अवसर पर नरेंद्र मोदी सरकारपर हमला बोला है। एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने शनिवार को पुणे में कहा कि मैंने सुबह का आयोजन देखा। मुझे खुशी है कि मैं वहां नहीं गया। वहां जो कुछ हुआ, उसे देखकर मैं चिंतित हूं। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि क्या हम देश को पीछे ले जा रहे हैं? क्या यह आयोजन सीमित लोगों के लिए ही था? नई संसद के उद्घाटन पर एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने हवन, बहुधार्मिक प्रार्थना और सेंगोल के साथ प्रवेश पर भी सवाल खड़े किए। एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने कहा कि मुझे संतोष है कि मैं नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह में शामिल नहीं हुआ, क्योंकि वहां मौजूद लोगों को देखकर, जो भी धार्मिक कांड हो रहा था, मैं इस समारोह में न जाने के फैसले से संतुष्ट था। एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने कहा कि पंडित जवाहरलाल नेहरू की आधुनिक भारत की अवधारणा और संसद में आज जो कुछ हो रहा है, उसमें बहुत बड़ा अंतर है। एक बार फिर हमें चिंता सताने लगी है कि हम देश को चंद सालों के लिए पीछे ले जा रहे हैं। शरद पवार ने कहा कि नेहरू ने आधुनिक विज्ञान पर आधारित समाज की अवधारणा पेश की थी। आज संसद में इसके ठीक उलट तस्वीर देखने को मिली। शरद पवार ने एक विडंबनापूर्ण टिप्पणी भी की कि उन्होंने इस बात की सराहना की कि साधु, महाराज मंडली को नए संसद भवन के उद्घाटन के लिए लाया गया था।

एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में शरद पवार ने नई संसद के उद्घाटन समारोह का बहिष्कार करने के पीछे अपना रुख स्पष्ट करते हुए कहा कि संसद का कोई भी काम राष्ट्रपति के अभिभाषण से शुरू होता है। मैं राज्यसभा का सदस्य हूं। जहां उपराष्ट्रपति प्रधान होता है। आज के समारोह में लोकसभा अध्यक्ष को देखकर खुशी हुई, लेकिन उपराष्ट्रपति की उपस्थिति नहीं दिखी। इसलिए शरद पवार ने

कहा कि सवाल खड़ा हुआ कि यह पूरा समारोह सीमित तत्वों के लिए था।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं

हमें लिखे या बताएँ

और समस्याएं का हल

संबंधित विभाग से मिलेगा

मोबाईल:-9879141480

या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार

में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार

संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार

भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों

और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों

की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com